हरिभूमि रायपुर भूमि

हो जाइए सावधान... शहर में ट्रैफिक प्रहरी, कानून तोड़ा तो आम आदमी भी सीधे ऐप में करेगा शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लापरवाह वाहन चालकों की वजह से लोगों को ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझना पड़ता है और आए दिन एक्सीडेंट की घटनाएं होती रहती हैं। लापरवाह वाहन चालकों पर निगरानी रखने हर जगह कैमरा लगाना संभव नहीं होने के साथ पर्याप्त बल नहीं है। ऐसे लोगों पर शिकंजा कसने ट्रैफिक पुलिस अब आम शहरवासियों को ट्रैफिक प्रहरी बनाएगी। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने केरल तथा ओडिशा के बाद एनआईसी की सिटीजन सेंटिनल (ट्रैफिक प्रहरी) का नया वर्जन तैयार किया है।

केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने देश के सभी राज्यों के लिए एम परिवहन एप बनाया है। इस एप में कई तरह की सुविधाएं दी गई हैं। उन्हीं सुविधाओं में से एक सिटीजन सेंटिनल एप है। इस एप के माध्यम से कोई भी आम नागरिक ट्रैफिक ▶▶|शेष पेज 13 पर

- केरल, ओडिशा के बाद एनआईसी के एम परिवहन एप का नया वर्जन ट्रैफिक प्रहरी छत्तीसगढ़ में लांच
- नए एप का एसएसपी सहित ट्रैफिक पुलिस अफसरों ने जारी किया पोस्टर

नाम गोपनीय रखा जाएगा

लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ की गई शिकायत में शिकायतकर्ता का नाम गोपनीय रखा जाएगा। शिकायतकर्ता का नाम उजागर नहीं किया जाएगा, जिससे आने वाले समय में शिकायतकर्ता किसी परेशानी से बच सके। ट्रैफिक पुलिस के अफसरों के मुताबिक वर्तमान में लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ एक हजार से ज्यादा चालान कट रहे हैं। एप लागू होने के बाद लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई और बढ़ने की ट्रैफिक पुलिस ने संभावना व्यक्त की है।

शिकायत को ट्रैक कर सकते हैं

लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ की गई शिकायत पर ट्रैफिक पुलिस क्या कार्रवाई कर रही है, इसे शिकायतकर्ता ट्रैक कर सकता है। एप में शिकायत अपलोड करने के बाद शिकायतकर्ता को शिकायत का नंबर जनरेट कर दिया जाएगा। इसके बाद शिकायतकर्ता उस नंबर पर एप में अपनी शिकायत में अपलोड कर अपने शिकायत पर ट्रैफिक पुलिस द्वारा क्या कार्रवाई की गई और ट्रैफिक पुलिस का शिकायत पर कार्रवाई करने कितना रिस्पांस टाइम रहा, शिकायतकर्ता उसे ट्रैक कर सकता है। कार्रवाई पूरी होने के बाद ट्रैफिक पुलिस शिकायतकर्ता को कार्रवाई की जानकारी भी देगी।

खबर संक्षेप

अपहरण का फरार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। मंदिर हसौद थाना क्षेत्र की पुलिस ने एक व्यक्ति के अपहरण तथा उस पर चाकू से जानलेवा हमला करने के आरोपी को एक साल बाद गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। कृष्णा

यादव की शिकायत पर सत्य प्रकाश डहरिया उर्फ कुडू को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार सत्यप्रकाश तथा उसके तीन अन्य साथियों ने कृष्णा का अपहरण कर उसके साथ मारपीट कर जबरन अपने कार में बैठाकर धमतरी ले जाकर सुनसान जगह पर फेंक कर मौके से फरार हो गए थे। घटना में शामिल अन्य बदमाशों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर चुकी है।

बाइक चोर सहित तीन गिरफ्तार

रायपुर। गुढ़ियारी थाने की पुलिस ने बाइक चोरी करने के आरोप में एक शातिर सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। अरुन यादव की शिकायत पर पुलिस ने बाइक चोरी करने के आरोप में भूपेंद्र जंघेल तथा चोरी की बाइक खपाने के आरोप में मोहम्मद आजाद सिद्दीकी तथा चोरी की बाइक खरीदने के आरोप में नितिन निषाद को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार भूपेंद्र पूर्व में भी बाइक चोरी करने के आरोप में जेल जा चुका है।

बच्ची का एम्स में हुआ ऑपरेशन

रायपुर। ओडिशा, बलांगीर से अवैध रूप से गोद लेने वाले रैकेट से बचाई गई बच्ची की एम्स अस्पताल में सफल ऑपरेशन कर जान बचाई गई। रैकेट के कब्जे से मुक्त कराई गई बच्ची को जन्मजात जटिल बीमारी थी। बच्ची को डायफ्रामैटिक हर्निया, वेंट्रिकुलर सेफूल डिफेक्ट (वीएसडी) जैसी बीमारी थी। शिशु विभाग में डॉ. फल्गुनी पाढ़ी की देखरेख में डॉ. नितिन बोरकर, डॉ. चारू शर्मा ने सफल ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के बाद बच्ची अब पूरी तरह से स्वस्थ्य है।

पता पूछने पर मारपीट

रायपुर। तेलीबांधा थाने में एक महिला ने दो लोगों के खिलाफ पता पूछने पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जलविहार कालोनी निवासी गीता कुमार ने बोगो तथा बडीन के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। गीता ने पुलिस को बताया है कि बोगो तथा उसके साथी ने उसके बेटे से पूछा कि तुम यहां नहीं रहते हो। पता पूछने के बाद बदमाशों ने गीता के बेटे के साथ मारपीट की।

छेड़छाड़ करने के मना करने पर मारपीट

रायपुर। अभनपुर थाना में एक युवक ने एक अन्य युवक तथा उसके तीन अन्य साथियों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मनीष डहरिया ने रूपेंद्र डहरिया तथा तीन अन्य के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। मनीष ने पुलिस को बताया है कि रूपेंद्र तथा उसके साथी उसकी बहन के साथ छेड़खानी कर रहे थे। मना करने पर बदमाशों ने उसके साथ मारपीट की।

5 गुमटियां शिफ्ट, बाकी की गुमटी हटाने महीनेभर की मोहलत, अवैध कब्जा हटाया जाएगा

चौपाटी शिफ्ट करने और बचाने की जंग, अब होगा चरणबद्ध आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

साइंस कालेज की विवादित चौपाटी अब आमानाका ब्रिज के नीचे प्रस्तावित वेंडिंग जोन में शिफ्ट होगी। ब्रिज के नीचे अतिक्रमण हटाया जाएगा। साथ ही पानी, बिजली और शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कोर्ट के आदेश पर रायपुर स्मार्ट सिटी और नगर निगम जोन 7 की टीम व्यवस्था बनाने में लगी हुई है। इधर सोमवार को पूर्व विधायक विकास उपाध्याय के साथ मीडिया की टीम ने चौपाटी जाकर वहां की व्यवस्था देखी। इसमें यह बात सामने आई कि चौपाटी में खानपान के लिए लोग परिवार के साथ बेहिचक पहुंच रहे हैं। चौपाटी से ट्रैफिक जाम की समस्या नहीं है। न ही वहां गंदगी फैली है, बल्कि गुमटियों से कई परिवारों को आजीविका का साधन मिला हुआ है।

दरअसल, रायपुर स्मार्ट सिटी द्वारा 5 करोड़ खर्च कर 1 साल पूर्व साइंस कालेज खेल मैदान के सामने बनाई गई चौपाटी अब सिमटने वाली है। इस चौपाटी में संचालित 60 गुमटियों में से 5 बंद पड़ी गुमटियों को हाल ही क्रेन की मदद से जोन 7 द्वारा आमानाका ब्रिज के नीचे वेंडिंग जोन में शिफ्टिंग के बाद बाकी की गुमटियों की शिफ्टिंग नए स्थल पर लाइट, पानी और शौचालय की व्यवस्था पूरी होने पर की जाएगी।

रायपुर स्मार्ट सिटी के अधिकारियों का कहना है कि कोर्ट के आदेश के परिपालन में स्मार्ट चौपाटी आमानाका ब्रिज के नीचे शिफ्ट करा रहे हैं। इसके लिए संबंधित व्यवसायिओं की सहमति ली गई है। वहीं यूथ बचाओ संगठन चौपाटी हटाने के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन की तैयारी में है। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि स्वच्छ, सुरक्षित और सुंदर यूथ हब को जबरिया उजाड़ने की साजिश की जा रही है।

स्मार्ट सिटी सभी 60 गुमटियों को शिफ्ट कराने में जुटा

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा विधायक राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और हठधर्मिता के कारण रायपुर की पहचान बन चुके यूथ हब को हटाना चाह रहे हैं, इस यूथ हब को उजाड़े जाने के विरोध में यूथ हब बचाओ संघर्ष समिति आंदोलन का ऐलान कर चुकी है। यूथ हब बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक विकास उपाध्याय एवं व्यवसायिक सदस्यों के साथ प्रेस कर्मियों ने यूथ हब की पार्किंग ▶▶|शेष पेज 13 पर

प्रथम सेमेस्टर में अनुत्तीर्ण छात्रों को उत्तीर्ण बताया, जब पांचवें सेमेस्टर में पहुंचे तब कहा- आप फेल!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि में एक अजीब-गरीब मामला सामने आया है, जिसमें विश्वविद्यालय स्तर पर तो गलती हुई ही लेकिन छात्रों ने भी चीजों को लेकर विशेष गंभीरता नहीं दिखाई। मामला रविवि के फॉर्मेसी विभाग का है। ऑनलाइन अपलोड किए गए परीक्षा परिणामों में प्रथम सेमेस्टर में छात्रों को उत्तीर्ण प्रदर्शित किया गया। छात्र स्वयं को पास मानकर पूरक परीक्षाओं में नहीं बैठे, जब उन्होंने पांचवें सेमेस्टर के लिए आवेदन किया, तब उन्हें पता चला कि वे प्रथम सेमेस्टर में अनुत्तीर्ण हैं और इस कारण परीक्षा में नहीं बैठ सकते हैं। अर्थात परिणाम जारी होने के दो साल बाद छात्रों को यह ज्ञात हुआ कि वे फेल हो चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, इन विद्यार्थियों की संख्या 8 से 10 है।

- मामला पं.रविशंकर शुक्ल विवि के फॉर्मेसी विभाग का विवि ने बैठाई जांच
- छात्रों ने सिर्फ ऑनलाइन देखे थे परिणाम, नहीं ली थी अंकसूची

खास खबर

गौरतबल है कि सेमेस्टर आधार पर फॉर्मेसी की परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। प्रथम सेमेस्टर में फेल होने पर छात्रों को अगले सेमेस्टर में प्रवेश दे दिया जाता है। यही नियम आने वाले चार सेमेस्टर तक लागू होता है, लेकिन पांचवें ▶▶|शेष पेज 13 पर

अंक सही, लेकिन परिणाम नहीं

रविवि द्वारा नतीजे घोषित किए जाने के साथ ही ऑनलाइन परिणाम अपलोड किए जाते हैं। रविवि ने जो ऑनलाइन परिणाम जारी किए थे, उसमें छात्रों के प्राप्तांक वही थे जो उन्हें वास्तविकता में मिले हैं, लेकिन नतीजों में उन्हें अनुत्तीर्ण की जगह उत्तीर्ण दिखा दिया गया। विद्यार्थियों ने भी विभाग से अपनी अंकसूची की हॉर्डकॉपी लेने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। इस कारण उन्हें भी अपने फेल होने की जानकारी नहीं मिल सकी। विद्यार्थियों का कहना है कि फॉर्मेसी में 50 प्रतिशत औसत अंक प्राप्त करने अनिवार्य होते हैं, इस नियम की जानकारी उन्हें नहीं थी, इसलिए फेल होने के बाद भी उन्होंने खुद को उत्तीर्ण समझा।

कमेटी करेगी फैसला

इस मामले में विवि के कुलपति ने चार सदस्यों की टीम गठित की है। जो इस मामले में फैसला करेगी। कमेटी की बैठक सोमवार को कुलपति कक्ष में आयोजित की गई। फैसला फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया गया है। छात्रों द्वारा मांग की जा रही है कि वे जिन विषयों में अनुत्तीर्ण हुए हैं, उसकी परीक्षा दिलाने का उन्हें अवसर दिया जाए तथा पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा में भी बैठने की अनुमति प्रदान की जाए।

दुकान में घुसकर महिला को चाकू से धमकाया, मंगलसूत्र लूटा और भाग निकला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहर में चाकूबाजी की घटना तथा चाकू की नोक पर गुंडागर्दी करने वाले बदमाशों के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है, बावजूद इसके बदमाशों पर पुलिस की सख्ती का असर नहीं हो रहा। राजधानी के टिकरापारा थाना क्षेत्र में एक बदमाश कपड़ा दुकान में महिला पर चाकू से हमला कर एक लाख रुपए से ▶▶|शेष पेज 13 पर

- एक अन्य मामले में बदमाश खुलेआम चाकू लहराकर धमका रहा

नाबालिग ने कैंची से किया हमला

एक अन्य मामले में गोलबाजार थाने की पुलिस ने घड़ी चौक पर ऑटो पार्किंग के विवाद में एक नाबालिग ऑटो चालक ने दूसरे ऑटो चालक बदरुद्दीन की पीठ पर कैंची से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने घायल ऑटो चालक की शिकायत पर नाबालिग ऑटो चालक के खिलाफ कार्रवाई की है।

चाकू लहराने का रहवासियों ने बनाया वीडियो

एक अन्य मामले में हिस्ट्रीशीटर बदमाश जिसका नाम समीर चौधरी बताया जा रहा है, उस पर ट्रैवल संचालक को चाकू लेकर धमकाने के लिए पहुंचने का सोशल मीडिया में वीडियो वायरल हो रहा है। सिमरन सिटी के स्थानीय रहवासियों के मुताबिक बदमाश जिस ट्रैवल एजेंसी के संचालक को चाकू लेकर धमकाने पहुंचा था, वह उसी की ट्रैवल एजेंसी में गाड़ी चलाने का काम करता था। जानकारी के मुताबिक ट्रैवल एजेंसी के संचालक की कार जिस अधिकारी के पास अटैच है, अधिकारी की शिकायत के बाद ट्रैवल एजेंसी के संचालक ने समीर को नौकरी से निकाल दिया। इसी बात से नाराज होकर वह ट्रैवल एजेंसी के संचालक को चाकू लेकर धमकाने पहुंचा था।

दिसंबर में ठंड का पहला दौर शुरू होने के आसार तापमान में आएगी गिरावट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दिसंबर के महीने में ठंड का पहला दौर शुरू होने की उम्मीद जगी है। पश्चिमी विक्षोभ का असर समाप्त होने और उत्तर से आने वाली हवा के प्रभाव से तापमान में गिरावट आएगी। अगले चार-पांच दिन तक प्रदेश के तापमान में तीन से चार डिग्री की गिरावट होने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के मुताबिक राज्य से बादलों का दौर समाप्त हो चुका है। ठंडी और शुष्क हवा का राज्य में प्रवेश होने की संभावना बढ़ गई है। मौसम में शुष्कता आने की वजह से अगले चौबीस घंटे में न्यूनतम तापमान में गिरावट का दौर शुरू होने के आसार हैं। अनुमान है कि अगले चार दिनों में तापमान चार से पांच डिग्री तक नीचे जाएगा। इसकी वजह से राज्य में नवंबर के साथ गायब हुई ▶▶|शेष पेज 13 पर

- विक्षोभ नहीं, उत्तर से आ रही हवा, पांच दिन रहेगा असर

मौसम अस्थिर, उत्तर-दक्षिण में बूंदाबांदी

विशेषज्ञों के अनुसार अभी प्रदेश का मौसम पूरी तरह अस्थिर है। इसका बेहद सटीक अनुमान लगाना मुश्किल हो रहा है क्योंकि परिस्थिति लगातार बदल रही है। नमी का प्रभाव अधिक होने और हवा के सम्मिलन की वजह से मध्य और दक्षिण में बारिश की संभावना जताई गई थी।

मोवा में नगर निगम की पहली गारमेंट फैक्ट्री सेटअप के लिए मांगा 10 करोड़ से अधिक का फंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मोवा क्षेत्र में बीएसएनएल आफिस के पास 45 हजार वर्गफीट जगह पर निर्मित नगर निगम की पहली गारमेंट फैक्ट्री का सेटअप तैयार करने नगर निगम को 10 .50 करोड़ रुपए का फंड चाहिए। इसके लिए योजना शाखा ने प्रस्ताव बनाकर राज्य शासन के पास स्वीकृति के लिए भेजा है। फंड की स्वीकृति मिलते ही गारमेंट फैक्ट्री संचालन के लिए एजेंसी तय होगी।

हरिभूमि फॉलोअप

गारमेंट फैक्ट्री स्थापित करने नगर निगम ने प्रथम चरण में 4 करोड़ रुपए खर्च कर इंफास्ट्रक्चर खड़ा किया है। पीपीपी मोड पर गारमेंट फैक्ट्री का संचालन किया जाएगा, इसके लिए ऑनलाइन टेंडर कर एजेंसी तय की जाएगी। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने राजधानी के मोवा क्षेत्र में नगर निगम की पहली गारमेंट फैक्ट्री जल्द शुरू होगी। संचालन के लिए एजेंसी तय कर 10 साल के ▶▶|शेष पेज 13 पर

निगम ने 4 करोड़ खर्च कर खड़ा किया है इंफास्ट्रकचर

राज्य शासन को भेजा प्रस्ताव

15 करोड़ के इस गारमेंट फैक्ट्री वाले प्रोजेक्ट में नगर निगम को 1 हजार सिलाई मशीन खरीदने सहित सेटअप तैयार करने 10 करोड़ 50 लाख रुपए की जरूरत है, यह राशि उसे शासन से मिलना है। इसके लिए निगम की योजना शाखा ने प्रस्ताव बनाकर राज्य शासन को फंड स्वीकृत करने प्रस्ताव भेजा है। स्वीकृति मिलते ही नगर निगम 1 हजार सिलाई मशीन की खरीदी के लिए टेंडर करेगा। गारमेंट फैक्ट्री संचालन के लिए ऑनलाइन टेंडर कर 10 साल के लिए चयनित एजेंसी के साथ अनुबंध किया जाएगा। नगर निगम को अनुबंधित एजेंसी केवल संबंधित जगह का किराया देगी।

गारमेंट फैक्ट्री स्थापित करने रायपुर नगर निगम ने इसके लिए प्रथम चरण में 4 करोड़ रुपए का टेंडर कर सालभर पूर्व शेड निर्माण, बाउंड्रीवाल, साइड रोड का निर्माण, गंदे पानी के निकास के लिए ड्रेनेज सिस्टम, परिसर में पानी की व्यवस्था और कर्मचारियों के लिए शौचालय का निर्माण कराया है। इसके साथ ही आउटर के डेवलपमेंट का काम शामिल है।

दंतेवाड़ा में डेनेक्स नाम से कपड़ों का ब्रांड

दंतेवाड़ा जिला प्रशासन ने वहां की महिलाओं के सहयोग से डेनेक्स नाम से कपड़ों का एक ब्रांड स्थापित किया है। यह अपनी तरह का एक अनूठा प्रयोग है। इसी थीम पर राजधानी रायपुर में नगर निगम द्वारा प्रथम चरण में महिलाओं को स्वावलंबी बनाने गारमेंट फैक्ट्री पीपीपी मोड पर संचालन करने की योजना है।

दिसंबर में बढ़ा घूमना-फिरना, फ्लाइट के साप्ताहिक यात्री 54 हजार पार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दिसंबर का महीना आने के बाद सैर-सपाटा का दौर बढ़ गया है। साल का अंतिम महीना होने की वजह से लोग घूमने-फिरने दूसरे शहरों की ओर जा रहे हैं। बीते सप्ताह रायपुर विमानतल पर साप्ताहिक यात्रियों की संख्या 54 हजार से अधिक रही। सात दिन के भीतर 183 एयरक्राफ्ट ने रायपुर और देश के अन्य शहरों के बीच आवाजाही की। ट्रैवल्स कारोबार से जुड़े सूत्रों के मुताबिक दिसंबर का मौसम ठंड का होता है। साथ ही साल का अंतिम महीना होता है, इसकी वजह से लोग घूमना-फिरना ज्यादा पसंद करते हैं। ट्रेनों की चाल अभी भी बिगड़ी हुई है, जिसके कारण प्रदेश के हवाई मार्ग से जुड़े दूसरे शहरों की काफी लोगों ने यात्रा की है। स्वामी विवेकानंद ▶▶|शेष पेज 13 पर

- सात दिन में 183 बार हुई विमानों की आवाजाही

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

सीनियर सिटीजन को पांच लाख रुपए तक का व्यक्तिगत इलाज, सालाना रीचार्जेबल होगा वय वंदना कार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सत्तर साल अथवा उससे अधिक आयु वाले सीनियर सिटीजन को सरकार हर साल व्यक्तिगत रूप से पांच लाख रुपए तक के निशुल्क उपचार की सुविधा देगी। आयुष्मान वय वंदना कार्ड प्रतिवर्ष रीचार्जेबल होगा और इसके हितग्राही बनने के लिए राशनकार्ड की बाध्यता भी नहीं होगी। रायपुर जिले में करीब 81 हजार लोगों को इसका लाभ मिलना है, मगर जानकारी के अभाव में हितग्राहियों का आंकड़ा चार हजार तक नहीं पहुंच पाया है।

केंद्र सरकार द्वारा सत्तर साल से अधिक उम्र वालों को विभिन्न तरह की गंभीर और बड़ी बीमारियों के उपचार की सुविधा देने के लिए आयुष्मान वय वंदना योजना की शुरुआत की थी।

- जिले में 81 हजार लोगों को मिलना है लाभ, अब तक केवल चार हजार ही पहुंचे
- सत्तर साल से अधिक आयु वालों को मिलेगा लाभ, राशनकार्ड की बाध्यता समाप्त

अन्य जिलों में कार्ड बनाने के काम प्रारंभ हो गया, मगर रायपुर जिले में आचार संहिता समाप्त होने के बाद इसकी शुरुआत की गई है। योजना में जुड़े अधिकारियों के मुताबिक वय वंदना योजना के तहत हितग्राहियों को पांच लाख रुपए तक उपचार का लाभ सालाना प्राप्त होगा।

आयुष्मान योजना के तहत एपीएल और बीपीएल परिवार को पचास हजार और पांच लाख रुपए तक इलाज की सुविधा मिलती थी। रायपुर जिले में तीन दिसंबर से विभिन्न च्वाइस सेंटर, स्वास्थ्य केंद्र एवं अस्पतालों के माध्यम से इस योजना की शुरुआत की गई है। जिले में वय वंदना योजना का लाभ 80 हजार 850 लोगों को मिलना है, मगर बीते छह दिनों में कार्ड बनवाने वालों की संख्या साढ़े तीन हजार के आसपास ही है। योजना की सबसे बड़े खासियत यह है कि इस कार्ड के हितग्राहियों के लिए राशनकार्ड की आवश्यकता नहीं है, केवल आधार कार्ड और फोटो के माध्यम से इसका लाभ लिया जा सकता है।

ग्रामीण इलाके पिछड़े

शहरी इलाके में तो आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाने में थोड़ी दिलचस्पी दिख रही है मगर ग्रामीण इलाके के वरिष्ठ नागरिक इस योजना से दूर है। पूरी जानकारी नहीं होने की वजह से इस योजना में शामिल होने से चूक रहे हैं। जिले में अभी रोजाना औसतन पांच सौ कार्ड बन पा रहे हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि लोगों को इस योजना से अवगत कराने आने वाले दिनों में प्रचार-प्रसार का सहारा लिया जाएगा।

फोटो और आधार कार्ड की मदद से कार्ड

सत्तर साल की आयु वाले ज्यादातर लोग निशक्त हो जाते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाने के लिए हितग्राहियों की उपस्थिति को अनिवार्य नहीं किया गया है। चलने-फिरने में मुश्किल महसूस करने वालों की फोटो और आधार कार्ड की मदद से कोई दूसरा शख्स भी च्वाइस सेंटर अथवा स्वास्थ्य केंद्रों में जाकर कार्ड बनवा सकता है। इसकी सुविधा ऑनलाइन तरीके से भी ली जा सकती है।

बनाए जा रहे वय वंदना कार्ड

सभी अस्पतालों में हितग्राहियों के वय वंदना कार्ड बनाए जा रहे हैं। इसके लिए फोटो और आधार कार्ड की आवश्यकता होगी। इस योजना में संबंधित कार्डधारी को पांच लाख रुपए तक के उपचार की सुविधा व्यक्तिगत रूप से दी जाएगी।

- डा. मिथिलेश चौधरी, सीएमएचओ

खबर संक्षेप

'गाय-धर्म और विज्ञान' पुस्तक का विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति द्वारा प्रकाशित "गाय - धर्म और विज्ञान" पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री को इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने बताया कि इस पुस्तक में गाय के धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व को बताया गया है। पूरे देश में 4 जनवरी 2025 को गौ-विज्ञान परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें देश भर के लगभग सवा लाख स्कूली छात्र-छात्राएं सम्मिलित होंगे।

राज्यपाल को महाकुंभ 2025 का न्योता

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से सोमवार को राजभवन में उत्तर प्रदेश के अनुसूचित जाति, जनजाति कल्याण विभाग एवं समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गोंड ने सौजन्य भेंट की। श्री गोंड ने उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की ओर से राज्यपाल को प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ 2025 के लिए न्यौता दिया।

रेडक्रास संरक्षक सहित आजीवन सदस्यों की सूची का प्रकाशन

रायपुर। जिला रेडक्रास सोसायटी संरक्षक, उपसंरक्षक एवं आजीवन सदस्यों की अंतिम सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। पिछले माह कलेक्टर गौरव सिंह की अध्यक्षता में जिला रेडक्रॉस सोसायटी की सामान्य सभा की बैठक में 15 सदस्यों का प्रबंध समिति गठन किया गया था। शेष 5 सदस्यों का चयन हेतु अंतिम सूची का प्रकाशन किया गया है। जिलाधीश परिसर के रेडक्रास कार्यालय और सीएमएचओ कार्यालय के सूचना पटल पर इसे चस्पा किया गया है। इस पर 13 दिसम्बर तक दावा आपत्ति मांगी गई है। प्राप्त दावा आपत्तियों का निराकरण कर संरक्षक, उपसंरक्षक एवं आजीवन सदस्यों की अंतिम सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

पंचायत चुनाव : सरकार पंचायत निर्वाचन अधिनियम में बदलाव की तैयारी में

ओबीसी का आरक्षण आयोग के आंकड़ों पर एससी-एसटी का होगा अधिनियम के मुताबिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं में होने वाले चुनाव के दौरान ओबीसी समुदाय के लोगों का आरक्षण छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या के संबंध में मान्य आंकड़ों के आधार होगा। इसी तरह अनुसचित जाति और जनजाति के लोगों को मिलने वाला आरक्षण इन जातियों के लिए स्थानों के आरक्षण संबंधी अधिनियम के तहत दिया जाएगा। राज्य सरकार ने पंचायत निर्वाचन अधिनियम में यह संशोधन करते हुए इस पर सात दिनों के भीतर दावा आपत्ति और सुझाव आमंत्रित किए हैं, इसके बाद यह व्यवस्था लागू कर दी जाएगी।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने पंचायती राज अधिनियम 1995 में यह संशोधन करने की तैयारी की है। इसके साथ ही इस बदलाव के लिए राज्य सरकार, राज्य निर्वाचन आयोग के परामर्श से यह नियम प्रस्तावित कर रही है। इस संशोधन से प्रभावित होने वाले लोगों से जिनके प्रभावित होने की संभावना है उनसे दावा, आपत्ति और सुझाव भी मांगे गए हैं। ये सुझाव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर में लिए जाएंगे।

संशोधन पर सात दिनों में मंगाया गया दावा, आपत्ति, सुझाव

जनपद, जिला पंचायत में ये होगी व्यवस्था

किसी जनपद पंचायत और जिला पंचायत में जहां अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों के लिए पचास प्रतिशत से कम स्थान आरक्षित किए गए है वहां यथासंभव निकटतम रूप से कुल स्थानों के पचास प्रतिशत से कम स्थान आरक्षित किए गए है निकटतम रूप से कुल स्थानों के पचास प्रतिशत की अधिकत सीमा के अध्याधीन रहते हुए, किंतु शेष स्थान अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षित किए जाएंगे और ऐसे स्थान अनुसूचित जातियों, जनजातियों के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों को छोड़कर निर्वाचन क्षेत्र में विहित प्राधिकारी द्वारा चक्रानुक्रम से तथा लॉट निकालकर आवंटित किए जाएंगे। किसी जनपद में यदि एससी एसटी केलिए पचास प्रतिशत या उससे अधिक स्थान आरक्षित किए गए हैं तो वहां अन्य पिछड़ा वर्ग को कोई आरक्षण नहीं मिलेगा।

पंचायतों में ऐसी होगी आरक्षण की प्रक्रिया

पंचायतों में आरक्षण की प्रक्रिया के संबंध में कहा गया है कि किसी ग्राम पंचायत में जहां अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए पचास प्रतिशत से कम स्थान आरक्षित किए गए हैं वहां यथासंभव निकटतम रूप से कुल स्थानों के पचास प्रतिशत की अधिकतम सीमा के अध्याधीन रहते हुए, किंतु शेष स्थान, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षित किए जाएंगे। और ऐसे स्थान अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए आरक्षित वार्डों को छोड़कर अन्य वार्डों में कलेक्टर द्वारा चक्रानुक्रम से तथा लॉट निकालकर आवंटित किए जाएंगे। लेकिन किसी ग्राम पंचायत में जहां अनुसूचित जातियों, जनजातियों के लिए पचास प्रतिशत से अधिक स्थान आरक्षित किए हए हैं, वहां अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए कोई स्थान आरक्षित नहीं होगा। इस संशोधन में साफ किया गया है कि छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग जन संख्या के संबंध में मान्य किए गए सांख्यिकी आंकडे मान्य होंगे। यानी आयोग ने जो सिफारिश की है वह लागू होगी।

सरकारी ड्रायवरों ने मांगी 8 घंटे की ड्यूटी

रायपुर। शासकीय वाहन चालक स्वास्थ्य विभाग कल्याण संघ ने आठ घंटे की ड्युटी और 22 सौ रुपए ग्रेड पे की मांग की है। संघ के अध्यक्ष सुभाष सहारे ने बताया कि संघ की बैठक स्वास्थ्य विभाग कर्मचारी संघ अर्जुन नगर, रायपुर में आहूत की गई। बैठक में वाहन चालको की विभिन्न मांगें समस्या आदि पर विचार किया गया, जिसमें वर्षों से लंबित मांगे 2200 ग्रेड पे स्वीकृति, वाहन चालकों की 8-8 घण्टे से ज्यादा ड्यूटी न ली जाय। शासकीय वाहनों का बीमा प्रतिवर्ष होना चाहिए। मंहगाई को देखते हुए मोबाईल भत्ता, जोखिम भत्ता तथा रिक्त पदों पर भर्ती पर चर्चा हुई। इस दौरान राजेन्द्र कुमार नायर कोण्डागांव, जगन्नाथ श्रीवास जिला जांजगीर चांपा को संभाग अध्यक्ष बिलासपुर, सुरेन्द्र कुमार टण्डन कसडोल को संभाग अध्यक्ष रायपुर नियुक्त किया गया।

औपचारिकता के बाद ठंडी पड़ी टीम

रायपुर। नशीली दवाईयों के खिलाफ पुलिस और औषधि विभाग द्वारा चलाया जाने वाला संयुक्त अभियान औपचारिक कार्यवाही के बाद ठंडा पड़ गया है। कुछ दिन पहले ज्वाइंट टीम ने जिले के तीस दवा दुकानों में छापे मारे थे। जांच के बाद चार दुकानों के खिलाफ कार्यवाही की गई थी। इसके बाद दवा दुकान संचालकों को चेतावनी जारी करने के बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है।

नहीं मिले संसाधन

मंजूरी के बाद भी डीकेएस में नहीं हो रहा किडनी ट्रांसप्लांट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ जरूरी उपकरण खरीदने स्वीकृति लिखित में जारी हुआ आदेश

आंबेडकर अस्पताल से अलग होने के बाद प्रदेश में किडनी प्रत्यारोपण की योजना लाने वाले डीके अस्पताल में अब तक यह सुविधा शुरू नहीं हो पाई है। कभी उपकरण कभी चिकित्सकों की कमी की वजह से मरीजों का अंग प्रत्यारोपण यहां प्रारंभ नहीं हो सका है। पिछले दिनों जरूरी संसाधन की खरीदी स्वशासी मद से करने की सहमति दी गई, मगर इसका लिखित आदेश जारी नहीं हो पाया।

डीके अस्पताल में अंग एवं उतक प्रत्यारोपण संगठन का कार्यालय तो संचालित है, मगर यहां अब तक किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू नहीं हो सकी है। दूसरी ओर निजी अस्पताल समेत एम्स लगातार मरीजों को इसका उपचार प्रदान कर रहा है। डीके अस्पताल में किडनी संबंधी उपचार तो किया जा रहा है, मगर मरीजों को प्रत्यारोपण की स्थिति होने पर एम्स अथवा दूसरे निजी अस्पताल जाने की सलाह दी जाती है। विभागीय स्तर पर यहां प्रत्यारोपण शुरू करने के लिए कई दावे किए गए, जो अब तक अधूरे हैं। अस्पताल प्रबंधन की ओर से अंतिम दिनों में प्रत्यारोपण से संबंधित 6 करोड़ के उपकरणों की सूची बनाई गई थी। इसकी खरीदी के लिए स्वशासी मद का उपयोग करने पर सहमति बनी थी, मगर लिखित में इसका आदेश जारी नहीं हो पाया था। इस बीच वहां के दो चिकित्सकों ने सेवा से त्यागपत्र दे दिया, जिसके बाद मामला और ठंडे बस्ते में चला गया।

एसीआई में अटका ओटी का काम

अंग प्रत्यारोपण के तहत हार्ट ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू करने के लिए आंबेडकर अस्पताल के एडवांस कार्डियक इंस्टिटयूट में दो करोड़ की लागत से ऑपरेशन थियेटर बनाने की योजना काफी पुरानी है। निर्माण एजेंसी की धीमी चाल की वजह से अब तक केवल इसका स्ट्रक्चर ही खड़ा हो पाया है। दावा किया जा रहा था कि आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित इस ऑपरेशन थियेटर में हृदय से संबंधित कई ऑपरेशन किए जा सकेंगे।

निकाय चुनाव की रणनीति बनाने कल जुटेंगे कांग्रेसी

पीसीसी ने जिला अध्यक्षों की बुलाई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में नगरीय निकाय चुनावों की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। चुनाव को लेकर रणनीति बनाने प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संगठन स्तर पर सभी जिला अध्यक्षों की एक बैठक बुधवार 11 दिसंबर को राजीव भवन में बुलाई है। चुनाव को लेकर संगठन की अब तक की तैयारी पर चर्चा कर चुनाव की रणनीति तैयार की जाएगी।

छत्तीसगढ़ के नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत चुनावों में अब मेयर और अध्यक्ष के सीधे चुनाव के आधार पर तैयारी की जाएगी। पीसीसी ने इस संबंध में विधायक और पूर्व विधायकों को पहले ही मोर्चे में लगाया है। उन्हें अपने प्रभार जिले में इन चुनाव को लेकर सक्रिय लोगों को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। चुनाव को लेकर जिला अध्यक्षों के माध्यम से संगठन के साथ समन्वय बनाकर काम करने के निर्देश दिए गए हैं। अब चुनाव की तारीखों का ऐलान इस माह के अंत तक होने की संभावनाओं के बीच कांग्रेस संगठन की ओर से आवश्यक रणनीति तैयार कर सभी जिलों में कार्यक्रम किए जाएंगे। बड़े नेताओं को उनके क्षेत्रों में जिम्मेदारी दी जा सकती है।

संगठन में बदलाव अटका

विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद उपचुनाव में कांग्रेस को मिली हार के बाद कांग्रेस संगठन में अंतर्कलह खुलकर सामने आई थी। कांग्रेस नेता अब निकाय चुनाव से पहले फिर एक बार इस ओर ध्यान देने पर जोर दे रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस संगठन में बदलाव को लेकर लोकसभा चुनाव की हार की समीक्षा के बाद से अटकलें लग रही हैं।

अटल विहार योजना प्रारंभ, जरूरतमंदों को किफायती दर पर मिलेगा आवास

गृह निर्माण मंडल के 7 आवासीय प्रोजेक्ट के तहत बनेंगे 1650 आवास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 'सभी के लिए आवास' की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में 'अटल विहार योजना' के अंतर्गत छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की 7 आवासीय परियोजनाओं का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री कहा, सरकार के एक वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा अटल विहार योजना प्रारंभ की जा रही है, ताकि जरूरतमंदों को विशेष रूप से शहरी क्षेत्र के लोगों को किफायती दर पर मकान उपलब्ध कराए जा सकें।जिन आवासीय परियोजनाओं का शुभारंभ किया, उनके तहत 7 विभिन्न स्थानों पर भरकोनी-रायपुर, पथर्रा-राजिम, खरतुली-धमतरी, सिहाद-धमतरी, पुलगांव-दुर्ग, गुरुर-बालोद, एवं कोकड़ापारा-बीजापुर में ईडब्ल्यूएस, एलआईजी और एमआईजी श्रेणी के आवास बनाए जाएंगे।

एक रुपए वर्गफीट में उपलब्ध होगी जमीन

मुख्यमंत्री ने कहा, अटल विहार योजना के लिए हाउसिंग बोर्ड को एक रुपये प्रति वर्ग फुट पर शासकीय भूमि उपलब्ध कराई जा रही है। इस संबंध में प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिये गये हैं। योजना में पूर्व में घोषित अनुदान को जारी रखते हुए ईडब्ल्यूएस भवनों में 80,000 रुपए एवं एलआईजी भवनों में 40,000 रुपए अनुदान राज्य शासन द्वारा दिया जा रहा है।

लगभग 300 करोड रुपए की लागत की इन परियोजनाओं के तहत 1650 मकान बनाए जाएंगे, इनमें ईडब्ल्यूएस और एलआईजी श्रेणी के 1452 आवास तथा एमआईजी श्रेणी के 200 आवास बनाए जाएंगे। हितग्राही भवनों का ऑनलाइन पंजीयन वेबसाइट के माध्यम से घर बैठे कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हर शहरी गरीब परिवारों को आवास मिले, इस उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना लागू की गई है। इससे प्रेरणा लेते हुए हमारी राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों एवं विकासखंड में रह रहे आवासहीन अथवा कच्चे भवन के स्थान पर किफायती एवं पक्के छत युक्त आवास उपलब्ध कराने के लिए 'अटल विहार योजना प्रारंभ की है ।

अनुराग सिंहदेव बोले- कांग्रेस नेतृत्व की रीति-नीति का उनके कार्यकर्ता ही कर रहे विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव ने कहा, कांग्रेस के कार्यकर्ता कांग्रेस नेतृत्व की रीति-नीति पर अब खुलकर सामने विरोध व्यक्त कर रहे हैं और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के चेहरे पर चुनावी मैदान में लगातार चौथी हार पर कांग्रेसी खुद ही अपने नेतृत्व की खामियों पर निशाना साध रहे हैं।

श्री सिंहदेव ने सोमवार को अंबिकापुर में निकाय चुनाव की तैयारियों पर चर्चा के लिए आहूत कांग्रेस की बैठक में हुई तू-तू मैं-मैं और कार्यकर्ताओं द्वारा खरी-खोटी सुनाए जाने पर कहा, यह बताता है कि कांग्रेस में कार्यकर्ताओं की उपेक्षा का सिलसिला थमा नहीं है और अब केवल कार्यकर्ता ही नहीं, कांग्रेस के नेता भी खुलकर अपनी नाराजगी का इजहार कर रहे हैं। निकाय चुनाव की तैयारियों का जब आगाज ऐसा है तो फिर अंजाम क्या होगा, यह अनुमान लगाना जरा भी मुश्किल नहीं रह गया है। श्री सिंहदेव ने कहा, कांग्रेस के अ.भा. सचिव की मौजूदगी में कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं की आहूत इस बैठक में अंबिकापुर नगर निगम के सभापति अजय अग्रवाल ने कांग्रेस की पिछली भूपेश सरकार और संगठन के नेताओं पर निशाना साधा और कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को आईना दिखाया है। श्री अग्रवाल ने काफी गंभीर आरोप लगाते हुए कांग्रेस की बैठक में कहा, छत्तीसगढ़ में जब कांग्रेस की सरकार थी, तब सबसे कम पैसा अंबिकापुर नगर निगम को मिला।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर-2 तहसील रायपुर, जिला रायपुर

-:: आम सूचना ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम जरवाय उर्फ हीरापुर प.ह.न. 35 रा.नि.म. रायपुर -2 तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित भूमि के संबंध में आवेदक श्रीमती विमला देवी झा पति स्व. बृजनंदन झा अन्य 01 निवासी न्यू कर्मचारी कॉलोनी पीयूष नगर वार्ड नंबर 64 रायपुर के द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 551/11 रकबा 0.00740 का सीमांकन हेतु आवेदन न्यायालय तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरान्त न्यायालय अति. तहसीलदार 01, रायपुर के रा.प्र.क्र. / 202411113700021/अ-12 / वर्ष /2024-25 आदेश दिनांक 20/11/2024 के परिपालन में दिनांक 19/12/ 2024 को 1.00 पूर्वाहन / पश्चात किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी बंटाकनधारी भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर हल्का पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबध में जो भी उजर, दावा, अथवा आपत्ति हो तो समक्ष प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन उपरांत किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगा ।

सो सूचना जाने ।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-2

न्यायालय तहसीलदार अभनपुर
मामले की श्रेणीः राजस्व

संदर्भः-जिला-रायपुर तहसील-अभनपुर प.ह.न.-00013 सिवनी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- RD202425441631500017

ईश्तहार

तहसील अभनपुर के प.ह.न. 00013 के अंतर्गत ग्राम सिवनी के वर्तमान भूमिस्वामी लक्ष्मी बाई राजपूत पिता/पति बेवा स्व. श्रीराम खिलावन राजपूत पता-सा. सिवनी, धनजय सिंह वो अशोक सिंह वो मनमोहन सिंह वो हेमंत सिंह वो शत्रुहन सिंह वो मलखान सिंह वो संतोषी सिंह पिता/पति स्व. श्रीराम खिलावन राजपूत पता-सा. सिवनी के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 1057(0.0850), 251(0.5790), 1058(0.5510), 351(0.4860), 627/1(0.0160), 634/2(0.4050), 691/5(0.2630), 256/1(0.1130), 1004(0.3120) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता मनमोहन सिंह विनोद सिंह पिता/पति-रामखिलावन ठाकुर पता-वार्डन 20 सिवनी तह अभनपुर जि रायपुर के नाम पर पंजीयन/ फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण /अभिलेख दुरुस्ती /खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 26/12/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार अभनपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं /अधिवक्ता /आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/12/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
RAMPRASAD BAGHEL
तहसील अभनपुर

कार्यालय रा.नि.मं.- रायपुर-14 (बोरियाखुर्द), तहसील- रायपुर जिला- रायपुर (छ.ग.)

// आम सूचना //

जारी दिनांक 09/12/2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती ज्योति साहू पति श्री अनिल कुमार साहू निवासी आफिसर कालोनी रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम बोरियाखुर्द प.ह.नं.-71 राजस्व निरीक्षक मण्डल- रायपुर-14 बोरियाखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 424/15 शामिल 425/23 रकबा क्रमशः 0.0930 हे. कुल खसरा क्रमांक 01 रकबा 0.0930 हे. भूमि का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 11/09/2024 के परिपालन में दिनांक 24/12/2024 को समय अपरान्ह 3.00 PM बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथी में हल्का पटवारी हल्का नंबर 71 के बोरियाखुर्द स्थित पटवारी / राजस्व निरीक्षक कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरान्त किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं.-रायपुर-14 (बोरियाखुर्द)

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, विक्रेता रोशनी राजपूत पति श्री संतोष सिंह निवासी- 39/67, नई सुभाष नगर, भोला गैरेज के पीछे, वार्ड नं.-50 तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के स्वामित्व की कृषि भूमि वाके मौजा बीरगावं, प.ह.नं.-88, रा.नि.मं.-रायपुर-17 बीरगावं तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. स्थित जिसका खसरा नं.- 57/48 रकबा 0.0220 हे. अर्थात 2212 वर्गफूट कृषि भूमि को मेरे पक्षकार ने क्रय करने का पक्का सौदा कर ब्याना राशि अदा कर दिया गया है, मात्र बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उपरोक्त भूमि के क्रय-विक्रय के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, साहूकार, निकाय, शासकीय, अर्ध शासकीय, शासन, प्रशासन इत्यादि को उक्त भूमि या उसमें किसी भाग पर कोई उजर, दावा या आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर मेरे नीचे लिखे पते पर मय दस्तावेज अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे, अन्यथा बाद बीतने म्याद की गई संपूर्ण उजर, दावा या आपत्ति अवैध, विधि विरूद्ध एवं शून्य होगी जो कि मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। अतः सो सूचना जाने।

रायपुर, छ.ग.
दिनांक- 09.12.2024

के.के. चन्द्राकर, अरुणा मिश्रा, अनुज मिश्रा, अधिवक्तागण
बीरगांव, रायपुर
मो.नं. 9753871812, 9300833670

Health Town

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(22 वर्सों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
क्षार-सूत्र चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561
पाइल्स, फिशर, फिस्टूला विशेषज्ञ
डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
INTL Ayurvedic Consultant
राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित
अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर।

HCC IS NOW हिअरज़ॅप™
आज ही मुफ्त श्रवण परीक्षण कराएं।
▶ श्रवण यंत्र पर भारी छूट ▶ कोक्लियर इम्प्लांट (परामर्श) ▶ स्पीच थेरेपी
हमारी स्टोर छत्तीसगढ़ में: अंबिकापुर • भिलाई • बिलासपुर • रायपुर • जगदलपुर • कोरबा
130+ CENTRES PAN INDIA
PHILIPS REXTON HEARING AIDS AVAILABLE
9659 455 455
MAHARASHTRA | TAMILNADU | KERALA | KARNATAKA | ANDHRA PRADESH
TELANGANA | WEST BENGAL | BIHAR | JHARKHAND | CHHATTISGARH

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

नरैया गार्डन में विकास कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर। नगर निगम जोन 6 स्थित शहीद पंकज विक्रम वार्ड के नरैया गार्डन में 1 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजनप सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सुनील सोनी, जोन अध्यक्ष निशा देवेंद्र यादव की विशेष उपस्थिति में किया गया। पुलिस लाइन के पास स्थित नरैया तालाब के करीब 1800 मीटर के राउंड एरिया में बच्चों के मनोरंजन के लिए एक ट्रॉय ट्रेन चलाने की तैयारी है। जोन 6 कमिश्नरी ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। यह ट्रेन जनवरी के अंत तक शुरू कर दी जाएगी। नरैया गार्डन में पेड़ पौधों की अधिकता के कारण यहां सुबह शाम आसपास के नागरिक वॉक करने आते हैं। लोगों की आवाजाही को देखते हुए नागरिक सुविधा के साथ ही मनोरंजन की जरूरत देखते हुए हुए वार्ड पार्षद निशा-देवेन्द्र यादव के माध्यम से करीब 9 करोड़ की राशि का प्रस्ताव जोन के माध्यम से देकर शासन से स्वीकृति प्रदान की गई, जिसमें बच्चों के लिए टाय ट्रेन, जुंबा डांस एरिया, योगा शेड, तालाब का सौंदर्यीकरण का कार्य, गार्डन में लाइटिंग के साथ पेंटिंग कार्य शामिल है।

पीएम आवास कालोनियों में समस्याओं का अंबार

रायपुर। अपनी समस्याओं को लेकर प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में रहने वाले सकैड़ों लोगों ने सोमवार को कलेक्टर जनदर्शन में रायपुर कलेक्टर ज्ञापन सौंपा और प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में समस्याओं के संबंध में अवगत कराते हुए उनका शीघ्र निराकरण करने निवेदन किया। इस मौके पर ईडब्ल्यूएस परिवार संघ व सामाजिक संस्था सुराज जन कल्याण समिति सोसाइटी के अध्यक्ष प्रीतम महानंद ने कहा, प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में रहने वाले लोग नरकीय जीवन जी रहे हैं, आउट्लेट, स्वच्छ पानी, बिजली, गार्डन, बाउंड्रीवाल आदि समस्याओं से ग्रस्त है। इसी दौरान सामाजिक नेता अधिवक्ता भगवानू नायक ने कहा, केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षा प्रधानमंत्री आवास योजना जिसका व्यापक रूप से देश भर में प्रचार-प्रसार किया जा रहा है प्रधानमंत्री ने देश को झुग्गी मुक्त करने का भी आह्वान किया है, इसके बाद भी आज रायपुर राजधानी के प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी के निवासी समस्याओं के बीच रहने को मजबूर है। ज्ञापन देने वालों में सूरज यादव सहित कॉलोनी वासी शामिल थे।

निधन

प्रमिला शर्मा

रायपुर। आजाद चौक ब्रामहण पारा निवासी प्रमिला शर्मा (76) का 8 दिसंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे गोपाल प्रसाद शर्मा की पत्नी और मंजू, अंजू एवं अजय शर्मा की माता थीं।

वत्सला शर्मा

रायपुर। चौबे कॉलोनी निवासी वत्सला शर्मा का 9 दिसंबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 10 दिसंबर को सुबह 10 बजे महादेवघाट मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे अनंतधर शर्मा (देवरी पंधी वाले) की पत्नी और विभूति, विनीत एवं प्रज्ञा शर्मा की माता थीं।

एमडी-एमएस में 71 एडमिशन के साथ पूरा हुआ पहला राउंड, 271 सीटें अभी बाकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राज्य के शासकीय और निजी मेडिकल कालेज में एमडी-एमएस की सीटों पर एडमिशन का पहला दौर पूरा हो गया है। फर्स्ट राउंड की काउंसिलिंग में ज्यादातर डिमांड वाली सीटों पर एडमिशन पूरा हुआ है। रायपुर के शासकीय मेडिकल कालेज में सर्वाधिक 26 एडमिशन हुआ है और राजनांदगांव का खाता भी नहीं खुल पाया है। दूसरे चरण की काउंसिलिंग के लिए 271 सीट बाकी है।

राज्य के छह शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय और तीन निजी कालेजों में पीजी के पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित प्रथम दौर की काउंसिलिंग के लिए मेरिट लिस्ट के साथ 216 लोगों की संशोधित सूची जारी की गई थी। जिन्हें पसंदीदा कालेज और डिमांड वाली सीटें मिली उन्होंने मौका चूके बिना प्रवेश ले लिया। जिन्हें ऐसा अवसर नहीं मिला, उन्होंने दूसरे राउंड के प्रवेश में शामिल होने के लिए सीट छोड़ दी। इसकी वजह से निजी और शासकीय कालेजों में एनआरआई और राज्य कोटे की मिलाकर कुल 342 सीटों में से केवल 71 सीटों पर एडमिशन हो पाया है 271 सीट दूसरे दौर की काउंसिलिंग के लिए बच गई। जानकारी के अनुसार टॉपरों को जेएन मेडिकल कालेज मिला था, जिन्होंने अपना एडमिशन पूरा कर लिया। इसके अलावा राजनांदगांव में एक भी एडमिशन नहीं हुआ और जगदलपुर तथा रायगढ़ में क्रमशः एक और दो विद्यार्थियों ने अपना प्रवेश पूरा किया। निजी कालेजों में भी आधा से डेढ़ दर्जन सीटों पर प्रवेश का काम पूरा हुआ।

रायपुर में सर्वाधिक 26 एडमिशन, राजनांदगांव का खाता भी नहीं खुला

एनआरआई कोटे की 21 सीटें बाकी

राज्य के तीन निजी मेडिकल कालेजों में एनआरआई कोटे की 26 सीटें हैं, इनमें से 21 सीटें खाली हैं। चिकित्सा शिक्षा विभाग की सूची के अनुसार शंकराचार्य की एनआरआई की आठ सीटों में एकमात्र, रिम्स और बालाजी की 9-9 सीटों में दो-दो सीटों पर ही एडमिशन हो पाया है। दूसरे चरण की काउंसिलिंग में पुनः 21 सीटों को प्रवेश के लिए शामिल किया जाएगा।

दूसरे राउंड का एडमिशन जल्द

पहले राउंड में प्रवेश के बाद खाली सीटों को भरने के लिए दूसरे दौर की काउंसिलिंग का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए उन विद्यार्थियों को भी मौका दिया जाएगा, जिन्होंने अलॉटमेंट के बाद भी एडमिशन नहीं लिया है। पहले एडमिशन के बाद सीट अपग्रेड करने का मौका दिया जाता था। उस दौरान दूसरे राउंड में पसंदीदा कालेज या विषय नहीं मिलने पर बैकफुट पर जाने का मौका मिलता था, इस बार ऐसा मौका नहीं दिया गया है।

सीमेंट की कीमत 260 से 295 रुपए हो गई

सीमेंट कंपनियां बेलगाम फिर बढ़ा दिए 10 रुपए दाम

चार माह से चल रहा है कीमत कम ज्यादा करने का बड़ा खेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ की सीमेंट कंपनियां पूरी तरह से बेलगाम हो गई हैं। जब मर्जी होती है सीमेंट की कीमत बढ़ा देती हैं, जब मर्जी होती है कीमत कम कर देती हैं। प्रदेश सरकार ने दाम बढ़ाने से पहले कारण बताते हुए मंजूरी लेने के भी निर्देश दिए हैं, इसके बाद भी कंपनियां सरकार की इजाजत लिए बिना ही दाम बढ़ा दे रही हैं और फिर कम भी कर दे रही हैं। बीते चार माह से यही सब चल रहा है। बीते माह नवंबर में भी एक बार दाम बढ़ाए गए, इसके बाद हरिभूमि में खबर का प्रकाशन होने के बाद सरकार के एक्शन के डर से दाम कम किए गए। अब फिर से दिसंबर 9 सोमवार से 10 रुपए दाम बढ़ा दिए गए हैं। अब थोक में जहां सीमेंट की कीमत 260 से 295 रुपए हो गई है, वहीं चिल्हर में यह तीन सौ रुपए पार हो गया है।

सीमेंट कंपनियों के दाम बढ़ाने पर प्रदेश सरकार का अंकुश नहीं है। यही वजह है कि कंपनियों की जब मर्जी होती है, दाम बढ़ा देती हैं। इस बार सितंबर में कंपनियों ने खुले बाजार के साथ ही नॉन ट्रेड सीमेंट के दाम 50-50 रुपए बढ़ा दिए थे। इसके बाद जहां हरिभूमि ने लगातार खबरों का प्रकाशन किया, वहीं चौतरफा राजनीतिक दबाव के बाद अंततः प्रदेश सरकार ने कंपनियों के साथ बैठक की। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के साथ बैठक में यह तय किया गया कि कंपनियां बढ़े हुए पूरे दाम वापस लेंगी और भविष्य में दाम बढ़ाने से पहले इसका कारण प्रदेश सरकार को बताते हुए पहले मंजूरी लेंगी।

हरिभूमि सरोकार

चिल्हर में दाम तीन सौ रुपए पार

सीमेंट कंपनियों ने एक बार फिर से 9 दिसंबर सोमवार से खुले बाजार के सीमेंट के दाम 10 रुपए बढ़ा दिए हैं। बिल्डिंग मटेरियल का काम करने वाले इस समय अलग-अलग कंपनियों का सीमेंट थोक में 60 बोरी लेने पर 260 से 295 रुपए में बेच रहे हैं। इसमें तीन रुपए प्रति बोरी अनलोडिंग अलग शुल्क है। अगर कोई ग्राहक चिल्हर में दो से पांच बोरी सीमेंट ले रहा है, तो उसके घर की दूरी के हिसाब से कीमत 330 रुपए तक भी पड़ रही है।

बढ़ाए दाम फिर वापस लिए

सीमेंट कंपनियों ने बीते माह प्रदेश सरकार से पूछे बिना ही माह से तीसरे सप्ताह में दाम 5 से 15 रुपए तक बढ़ा दिए। इसके बाद जब हरिभूमि में खबर का प्रकाशन किया गया तो सीमेंट कंपनियों में इसको लेकर हड़कंप मच गया कि प्रदेश सरकार उन पर एक्शन ले सकती है। ऐसे में कंपनियों ने धीरे-धीरे करके अंततः बढ़े हुए 15 रुपए दाम वापस ले लिए। इसी के साथ कंपनियों ने पहले के बढ़े हुए 50 रुपए के दाम में से जो पांच रुपए बचे थे, उसको भी वापस ले लिया। इसी के साथ नॉन ट्रेड में भी पांच से दस रुपए दाम कम किए गए।

बैजनाथपारा में जोन कमिश्नर को घेरा, गए थे अवैध निर्माण पर कार्रवाई के लिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अवैध निर्माण पर कार्रवाई के लिए गए नगर निगम के अधिकारियों के साथ बदसलूकी की गई। जोन 4 के बैजनाथपारा क्षेत्र में नगर निगम से अनुमति लिए बिना बिल्डिंग निर्माण कराया जा रहा था। नगर निगम ने पूर्व में भी इस अवैध निर्माण को बंद कराया था। इसके बाद संबंधित भवन मालिक ने फिर से काम शुरू करवा दिया। कार्रवाई करने गए जोन कमिश्नर समेत कुछ कर्मचारी के साथ यह बदसलूकी का मामला सामने आया है।

दरअसल, नगर निगम जोन 4 क्षेत्र में 5 दिसंबर को जोन की टीम ने अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की थी। इसके साथ ही अवैध निर्माण रोकने के साथ एक दुकान को सील भी किया था। इस कार्रवाई के बाद भी बिल्डिंग निर्माण का कार्य जारी रहा। अधिकारियों ने काम बंद करने की चेतावनी देकर निर्माण कार्य बंद कराकर दोबारा निर्माण ना करने की चेतावनी दी थी। इसके बाद भी काम जारी रहा। जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव का कहना है, नक्शा विपरीत निर्माण करने पर मई 2024 में भी अवैध निर्माण तोड़ा गया था। इसके बाद भी बिना किसी प्रशासनिक स्वीकृति के अवैध निर्माणकर्ता द्वारा काम कराया गया। निगम अमला स्पॉट पर चल रहे काम को बंद कराने मौके पर गया। इसी दौरान कुछ लोग आकर विवाद करने लगे और शासकीय कार्य में बाधा डाली गई। निगम कर्मचारियों के साथ बदसलूकी की गई।

- **निगम की अनुमति बिना अवैध निर्माण का मामला**

बिना नक्शा स्वीकृत कराए या स्वीकृत नक्शा विपरीत मकान-दुकान और व्यवसायिक परिसर बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने सभी जोन आयुक्तों को इसके लिए निर्देश दिए हैं।

धोबी समाज का महापंचायत चार रिश्ते मौके पर ही तय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

नातिन धोबिन दाई परिसर बोरियाखुर्द में रविवार को धोबी समाज की महापंचायत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर धोबी समाज के विवाहयोग्य युवक-युवती का भीपरिचय सम्मेलन हुआ। सम्मेलन में 231 युवतियों, 73 युवकों ने अपना परिचय दिया। अभिभावकों की उपस्थिति में चार रिश्ते मौके पर ही तय हुए। इसके बाद धोबी समाज ने समाज के ही वरिष्ठ नेता तुलसी कौशिक को मुख्यमंत्री का निजी सचिव बनाए जाने पर समाज के परंपरागत रजक ताज से नवाजकर सामाजिक अभिनंदन किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर ने कहा, राज्य सरकार का यह ऐतिहासिक निर्णय है। हमारा समाज पूर्ण रूप से उपेक्षित था। छत्तीसगढ़ में यह पहला अवसर है कि हमारे जाति के व्यक्ति को निजी सचिव बनाया गया है, वह भी मुख्यमंत्री का। अभिनंदन से अभिभूत होकर मुख्य अतिथि तुलसी कौशिक ने कहा कि समाज में अब गुटबाजी नहीं रहेगी, गुटबाजी करने वाले अपने आप सुधर जाएंगे। कार्यक्रम में गोपाल निर्मलकर, अवधेश कुमार सोन, चैतराम निर्मलकर, जगजीवन निर्मलकर, वरुण निर्मलकर, चंद्रहास निर्मलकर, नकुल निर्मलकर, हेमंत निर्मलकर, पवन निर्मलकर, जगजीवन निर्मलकर आदि शामिल रहे।

साय सरकार के एक साल पर कार्यक्रम, सभी निकायों में बनेंगे सेल्फी जोन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर राज्य के नगरीय निकायों में 20 दिसंबर तक विशेष कार्यक्रम होंगे। प्रदेश के सभी नगर निगम आयुक्तों, पालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएमओ को कार्यक्रम की रूपरेखा सरकार ने भेजी है। इस सिलसिले में 14 और 15 दिसंबर को निकाय के मुख्य पर्यटन स्थल एवं सार्वजनिक स्थानों पर सेल्फी जोन बनाने कहा गया है।

- **20 दिसंबर तक होंगे कई आयोजन**

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी निर्देश के मुताबिक 10 दिसंबर को स्वच्छता रैली और साइकिल रैली निकायी जाएगी। साथ ही एक साल में शासन की जनहित कारी योजनाओं के माध्यम से लाभन्वित हितग्राहियों के विषय में बताया जाएगा। 12 दिसंबर को निकाय क्षेत्र में सभी शासकीय व गैर शासकीय कार्यालयों, औद्योगिक, व्यावसायिक क्षेत्र प्रतिष्ठानो में स्वच्छता का महत्व बताते हुए स्वच्छता पखवाड़ा मनाने के निर्देश दिए गए हैं। 14 और 15 दिसंबर को निकाय के प्रमुख चौक चौराहों, स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं के स्थान पर राज्य शासन द्वार विगत एक वर्ष में किए गए विभिन्न जनहित कारी योजनाओं, गतिविधियों से संबंधित आकर्षक सेल्फी जोन का निर्माण किया जाएगा। 16 से 19 दिसंबर तक स्वच्छता दीदी उत्सव मनाया जाएगा। 16 को निकाय में निर्मित एसएसआरएम सेंटर में सुशासन के सूर्योदय विषय पर स्वच्छता दीदियों के माध्यम से रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाए। 19 दिसंब के स्वच्छ दीदियों एवं सफाई कर्मियों का मनोरंजन, खेलकूद का आयोजन होगा। 20 दिसंबर को स्वच्छता दीदियों का सम्मान समारोह होगा।

कांग्रेस आज करेगी नगर निगम के जोन का घेराव

जबरन टैक्स वसूली, मच्छरों का प्रकोप और आवारा कुत्तों का आतंक को बनाया मुद्दा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा नगर निगम के अंतर्गत आने वाले 10 जोन का घेराव मंगलवार को किया जाएगा। टैक्स के नाम पर आम जनता से जबरन वसूली, राजधानी में मच्छरों का प्रकोप, आवारा कुत्तों का आतंक, मवेशियों के कारण हो रही दुर्घटनाएं जैसे मुख्य मुद्दे को लेकर कांग्रेस कमेटी जोन का घेराव करेगी।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश दुबे ने जोनवार प्रभारी भी नियुक्त किए हैं। मंगलवार को सुबह 11 बजे कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता अपने-अपने जोन में पहुंचकर घेराव करेंगे। प्रभारी के रूप में जोन क्रमांक 1 में अन्नू राम साहू, दाऊ लाल साहू, जोन 2 में बंटी होरा, अरुण जघेल, संजय सोनी, जोन 3 में कामरान अंसारी, दीपा बग्गा, जोन 4 में प्रमोद दुबे, नवीन चंद्राकर, जोन 5 में ज्ञानेश शर्मा, प्रशांत ठेंगड़ी, बंशी कन्नौजे, जोन 6 में देवेंद्र यादव, सुमित दास, सचिन शर्मा, जोन 7 में मनीराम साहू, देव कुमार साहू, जोन 8 में घनश्याम छत्रिय, अशोक ठाकुर, जोन 9 में प्रमोद मिश्रा, माधव साहू जोन 10 में आकाशदीप शर्मा और सहदेव व्यवहार प्रभारी नियुक्त किए गए हैं।

धान खरीदी केंद्रों में अव्यवस्था कांग्रेस का आज ब्लॉकों में धरना

रायपुर। धान खरीदी केन्द्रों में किसानों को हो रही परेशानियों तथा सरकार के किसान विरोधी रवैये के खिलाफ कांग्रेस प्रदेश के सभी ब्लॉकों में मंगलवार को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेगी। धरने के बाद स्थानीय सक्षम अधिकारी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जायेगा। इसमें राज्यपाल से अनुरोध किया जायेगा, किसानों की परेशानियों को दूर करने तथा हर किसान का पूरा धान खरीदने का निर्देश सरकार को दें। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसार पूरे प्रदेश में धान खरीदी केन्द्रों में अव्यवस्था है। सोसाइटियों में बारदाने की कमी है, टोकन की व्यवस्था अव्यवहारिक है, जिससे किसानों को परेशान होना पड़ रहा, नंबर ही नहीं आ रहा। टोकन कटने की तारीख से 7 से 10 दिन बाद धान बेचने के लिये किसानों को बुलाया जा रहा है। 15 दिन बाद तक का भी टोकन नहीं मिल रहा। इलेक्ट्रॉनिक कांटा में जो तौलाई हो रहा है, उसमें 1.5 किलोग्राम से 2.5 किलोग्राम अधिक तौला जा रहा है। सोसाइटियों में धान का उठाव नहीं होने के कारण जगह की कमी है। 21 क्विंटल धान की खरीदी नहीं हो रही, किसानों को परेशान होना पड़ रहा है।

- **राज्यपाल के नाम ज्ञापन भी सौंपा जाएगा**

परीक्षा केंद्रों में सेल्फी लेंगे विद्यार्थी! आदर्श मतदान केंद्र की तर्ज पर अब एग्जाम सेंटर भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अलग खबर

एग्जाम हॉल से डरकर भागने के बजाय छात्र अब यहां सेल्फी लेते नजर आएंगे। परीक्षा केंद्रों को इस तरह से बनाया जाएगा कि विद्यार्थी यहां आने के लिए उत्सुक रहें। दरअसल, माशिम द्वारा आदर्श मतदान केंद्र की तर्ज पर कुछ एग्जाम सेंटर्स को भी आदर्श परीक्षा केंद्र की तर्ज पर तैयार करने विचार किया जा रहा है। इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारियों से सुझाव मांगे गए हैं। दसवीं-बारहवीं की समय-सारिणी घोषित करने के साथ ही माध्यमिक शिक्षा मंडल ने परीक्षाओं की तैयारी भी प्रारंभ कर दी है। मंडल द्वारा समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों की

बैठक माशिम कार्यालय में ली गई, जहां उन्हें इससे संबंधित दिशा-निर्देश दिए गए।

प्राप्त सुझावों के आधार पर आदर्श परीक्षा केंद्रों को विकसित किया जाएगा। गौरतलब है कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा कई वोटिंग सेंटर्स को आदर्श मतदान केंद्र के रूप में विकसित किया गया था। चुनई चिरई जैसे पोस्टर-बैनर के साथ सेल्फी जाने बनाए गए थे। कई अन्य प्रयोग भी मतदाताओं को लुभाने के लिए किए गए। माशिम भी परीक्षा का डर भगाने और विद्यार्थियों को अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने इस तरह के प्रयोग की तैयारी कर रहा है।

दूरी कम करने की तैयारी

दसवीं-बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र दूसरे विद्यालयों में बनाए जाते हैं। ग्रामीण अंचल में अपेक्षाकृत कम विद्यालय होने के कारण छात्रों को अधिक दूरी तय करते हुए दूसरे विद्यालयों में परीक्षा दिलाने के लिए जाना पड़ता है। शैक्षणिक सत्र 2023-24 की परीक्षा के दौरान कई स्कूल के विद्यार्थियों को 10 किमी तक की दूरी परीक्षा से ठीक पहले साइकिल व अन्य साधनों से तय करनी पड़ी थी। माशिम द्वारा इसका भी इस बार विशेष रूप से ध्यान रखा जा रहा है। माशिम की बैठक में कहा गया है कि विद्यार्थियों को अधिक दूरी परीक्षा दिलाने के लिए तय ना करनी पड़ी, इसका ख्याल रखा जाए।

संवदेनशील केंद्रों में तैनात होंगे अतिरिक्त बल

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से परीक्षा केंद्रों की जानकारी मांगी है। उन केंद्रों की जानकारी मांगी गई है, जो अपेक्षाकृत संवेदनशील हैं। इन केंद्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएंगे। संबंधित अधिकारियों को इस संदर्भ में खत भेजने की प्रक्रिया समय रहते पूर्ण की जाएगी। इसके अलावा ऐसे परीक्षा केंद्र, जहां पिछली परीक्षाओं में नकल करते हुए छात्र पकड़े गए थे, उनकी भी सूची बनाई जा रही है। सभी जिलों से परीक्षा केंद्र और उनका फीडबैक मिलने के बाद ही माशिम अंतिम रूप से केंद्रों की सूची जारी करेगा।

पेज 11 के शेष ...

हो जाइए सावधान...

नियमों को ताक पर रखकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ शिकायत कर सकता है। इससे ट्रैफिक पुलिस को ट्रैफिक उल्लंघन करने वालों के बारे में जानकारी मिलती है और ट्रैफिक पुलिस उस लापरवाह वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। सिटीजन सेंटिनल एप का सोमवार को एसएसपी डॉ. संतोष सिंह तथा ट्रैफिक पुलिस के अफसरों ने एसएसपी कार्यालय में पोस्टर लांच किया है। **एप के माध्यम से शिकायत** : पूर्व में ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक उल्लंघन करने वालों की शिकायत करने वाट्सएप ग्रुप बनाया है। ट्रैफिक पुलिस के वाट्सएप ग्रुप के बारे में ज्यादातर लोगों को जानकारी नहीं मिल पाती। एप लागू होने के बाद आम शहरी एप डाउनलोड कर लापरवाह वाहन चालकों की आसानी से ट्रैफिक पुलिस के पास शिकायत कर सकते हैं।

चौपाटी शिफ्ट करने...

व्यवस्था, बैठक व्यवस्था और सौंदर्यकरण का अवलोकन किया। पत्रकारों ने व्यावसायिक एरिया का निरीक्षण भी किया। विकास उपाध्याय ने कहा, जहां एक और दानी गर्ल्स स्कूल और पूर्व में जो धरना स्थल बनाए गए थे, वहां पर चौपाटी खोलने का प्रयास राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा है और वहीं दूसरी ओर बसे बसाए यूथ हब को तोड़ने का काम किया जा रहा है। शहर की ऐसी बहुत से जगह हैं, जहां पर ऐसे व्यवसाय के खुलने से ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है, लेकिन उस पर क्षेत्रीय विधायक की नजर नहीं जा रही है। जो व्यवस्थित यूथ हब है, उसे तोड़ने के लिए साजिश रची जा रही है। इस मंशा को हम कामयाब नहीं होने देंगे। मंगलवार को इसके विरोध में व्यवसायी और छात्र मिलकर मशाल रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

प्रथम सेमेस्टर में...

सेमेस्टर में विद्यार्थियों को प्रवेश तब ही दिया जाता है, जब वे चतुर्थ सेमेस्टर तक की सभी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होते हैं। नियमतः फॉर्मेसी विभाग के 10 विद्यार्थियों को अनुत्तीर्ण होने के बाद भी चतुर्थ सेमेस्टर तक परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी गई, जब उन्होंने पांचवें सेमेस्टर के लिए आवेदन भरा, तब छात्रों को अपने अनुत्तीर्ण होने की जानकारी हुई।

मोवा में नगर निगम...

लिए अनुबंध किया जाएगा। अनुबंधित एजेंसी 1 हजार जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई का निःशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें फैक्ट्री में रोजगार उपलब्ध कराएगी। गारमेंट फैक्ट्री में महिलाएं जींस, ट्राउजर सहित अन्य तरह के लेटेस्ट गारमेंट बनाना सीखेंगी। उनके द्वारा तैयार उत्पाद का मार्केट गारमेंट फैक्ट्री संचालन करने वाली एजेंसी उपलब्ध कराएगी।

दिसंबर में ठंड का...

ठंड की वापसी होने के आसार हैं। अभी रायपुर में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया जा रहा है, जो सामान्य से ज्यादा है। आने वाले दिनों में इसके 15-16 डिग्री तक पहुंचने की उम्मीद है। राज्य में विक्षोभ और चक्रवात की वजह से दिसंबर में ठंड का अब तक महसूस नहीं हो पाई है। आने वाले दिनों में रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग में 4 डिग्री सेल्सियस के आसपास गिरावट संभावित है, जबकि सरगुजा संभाग में 2-3 डिग्री सेल्सियस कमी होने का अनुमान है।

दुकान में घुसकर महिला...

ज्यादा कीमत का मंगलसूत्र लूटकर फरार हो गया। एक अन्य मामले में बदमाश का खुलेआम किसी को चाकू की नोक पर धमकाने का सोशल मीडिया में वीडियो वायरल हो रहा है। घड़ी चौक पर पार्किंग के विवाद में एक ऑटो चालक ने दूसरे ऑटो चालक पर कैंची से हमला कर घायल कर दिया। तीनों घटना सोमवार की है। पुलिस के मुताबिक बोरियाखुर्द स्थित एसआर गार्मेंट के संचालक रजनी नंदे ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ उस पर चाकू से हमला करने की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि घटना दिनांक को दोपहर तीन बजे के करीब उसकी दुकान में एक युवक कपड़ा खरीदने के लिए आया, कुछ देर कपड़ा देखने के बाद उसने चाकू निकालकर महिला को धमकाया। विरोध करने पर चाकू लहराते हुए उसने महिला के गले से मंगलूत्र लूटा और मौके से फरार हो गया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पुलिस सीसीटीवी फूटेज के आधार पर बदमाश की पहचान कर कार्रवाई करने की बात कह रही है।

दिसंबर में बढ़ा...

एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार बीते सप्ताह यानी 2 से 8 दिसंबर के बीच माना विमानतल के माध्यम से 54 हजार 629 लोगों ने सफर पूरा किया है। इनमें दूसरे शहरों से 27496 यात्री रायपुर एयरपोर्ट के माध्यम से छत्तीसगढ़ पहुंचे, वहीं 27133 लोग अन्य राज्यों के लिए रवाना हुए। अनुमान है कि साल के अंतिम सप्ताह यानी शीतकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की संख्या अधिक रहने की संभावना है। नए साल में नई उड़ान की उम्मीद : रायपुर से जयपुर सहित कई शहरों के लिए सीधी उड़ान शुरू होने का इंतजार है। ट्रैवल्स कंपनियां इसके लिए दोनों एयरलाइंस को प्रस्ताव दे चुकी हैं। माना जा रहा है कि नए साल की शुरुआत में नए शहरों से रायपुर का हवाई संपर्क होने की संभावना है। रायपुर से जनवरी में हैदराबाद के लिए दो फ्लाइट प्रारंभ करने की घोषणा हो चुकी है, वहीं कुछ अन्य शहरों के लिए सीधी विमान सेवा शुरू होने का इंतजार है।

खबर संक्षेप

केंद्रों से धान का उठाव नहीं होने से बिगड़ी व्यवस्था

रायपुर। धान खरीदी केंद्र में धान का उठाव नहीं होने से व्यवस्था बिगड़ गई है। 75 प्रतिशत केंद्रों में बफर लिमिट से ज्यादा धान जाम है। सहकारी समिति कर्मचारियों ने बफर लिमिट से अधिक का टीओ जारी नहीं होने पर 10 दिसंबर से खरीदी बंद रखने का निर्णय लिया है और नोटिस चस्पा दिए हैं। इस संबंध में जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने कहा कि, धान खरीदी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है कोई भी सरकार आए धान खरीदी होगी ही कोई सरकार आए प्राथमिकता में रहेगी ही फिर भी वर्तमान सरकार बगैर तैयारी के धान खरीदी कर रहे है खरीदी प्रारंभ के पहले कोई व्यवस्था नहीं किया है, ये परिस्थितियों के लिए सरकार जिम्मेदार है।

इंस्टाग्राम लाइक करने का झांसा देकर पौने आठ लाख की ठगी

रायपुर। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अज्ञात जालसाज के खिलाफ इंस्टाग्राम पेज लाइक करने का झांसा देकर पौने आठ लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जालसाज ने ठगी की घटना तीन से सात दिसंबर के बीच की है। जालसाज ने पीड़ित के साथ वाट्सएप कॉल के माध्यम से संपर्क कर ठगी का शिकार बनाया है। पुलिस के मुताबिक एक सीमेंट फैक्ट्री के मालिक न्यू शांतिनगर निवासी शिवेंद्र द्विवेदी ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। शिवेंद्र ने पुलिस को बताया है कि अज्ञात व्यक्ति ने उसके पास वाट्सएप कॉल करने के बाद वाट्सएप में मैसेज भेजकर इंस्टाग्राम पेज लाइक करने पर घर बैठे इंकम होने का झांसा दिया। झांसा देने के बाद जालसाज ने शिवेंद्र के पास इंस्टाग्राम पेज का मैसेज भेजा। पेज लाइक करने पर जालसाज ने शिवेंद्र के अकाउंट में रुपए ट्रांसफर किया।

सिस्टम एडवांस होने से डीएनए टेस्ट हुआ आसान, कई अनसुलझे मामले सुलझे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

गंभीर किस्म के अपराध सुलझाने के साथ महत्वपूर्ण साक्ष्य संकलन करने डीएनए रिपोर्ट की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राज्य के फोरेंसिक लैब में गंभीर अपराध से जुड़े मामलों के रोजाना औसतन 15 से 20 डीएनए कलेक्शन किए जा रहे हैं।

सिस्टम अपडेट होने की वजह से वर्तमान में एक भी डीएनए का पेंडिंग मामला नहीं है। फोरेंसिक लैब के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. टीएल चंद्रा के अनुसार पाक्सो मामले में डीएनए रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर सौंपी जा रही है। इसी तरह से गंभीर किस्म के अपराधों की डीएनए रिपोर्ट हर हाल में एक माह के भीतर सौंपी जा रही है। अफसर के अनुसार राज्य फोरेंसिक लैब में वर्तमान में ईडी, ईओडब्लू, सीबीआई द्वारा दर्ज अलग-अलग प्रकरणों से संबंधित इलेक्ट्रिक डिवाइस की भी जांच की गई है। जांच में मोबाइल, लैपटॉप तथा कम्प्यूटर के हार्ड डिस्क की फोरेंसिक जांच कर रिपोर्ट संबंधित एजेंसियों को सौंपी गई है। उनकी रिपोर्ट के आधार पर संबंधित जांच एजेंसियों ने भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी की है।

अनसुलझे केस को सुलझाने में मिली मदद

अफसर के अनुसार डीएनए जांच करने का सिस्टम अपडेट होने की वजह से कई गंभीर अपराधों को सुलझाने में पुलिस को मदद मिली है। पेंड्रा में रेप हत्या के एक मामले में डीएनए साक्ष्य के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

- बेरला बारूद फैक्ट्री में ब्लास्ट में मारे गए मजदूरों की पहचान डीएनए से की गई थी
- औसतन नियमित 15 से 20 प्रकरण डीएनए जांच के लिए पहुंच रहे फोरेंसिक लैब

डीएनए साक्ष्य के आधार पर मिली फांसी की सजा

उरला थाना क्षेत्र में चार साल के हर्ष का अपहरण कर टॉवेल में लपेटकर, पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने वाले हत्या के आरोपी पंचराम को कोर्ट ने डीएनए साक्ष्य के आधार पर हत्या की सजा सुनाई है। फोरेंसिक लैब के अफसर के मुताबिक बच्चे का शव पूरी तरह से जल गया था, जिसकी पहचान संभव नहीं थी। डीएनए के माध्यम से बच्चे की पहचान की गई। रिपोर्ट कोर्ट को सौंपी गई। इसके बाद कोर्ट ने डीएनए रिपोर्ट के आधार पर हत्या के आरोपी को मौत की सजा सुनाई।

हत्या के सभी मामलों में डीएनए जांच

हत्या के आरोपी कानूनी दांव पेंच का सहारा लेकर संदेह का लाभ लेकर किसी तरह कोर्ट में आसानी से न छूट जाएं, इस बात को देखते हुए हत्या के सभी मामलों की डीएनए जांच की जा रही है। पूर्व में हत्या के सस्पेक्टेड मामलों में डीएनए जांच की जाती थी। वर्तमान में हत्या के सभी मामलों में डीएनए जांच की जा रही है।

ब्लास्ट में मारे गए मजदूरों की पहचान डीएनए से

बेमतेरा, बेरला स्थित बारूद फैक्ट्री में इस वर्ष मई में हुए ब्लास्ट में आधा दर्जन से ज्यादा मजदूरों की मौत हो गई थी। ब्लास्ट में मजदूरों के चीथड़े उड़ गए थे। मजदूरों की पहचान नहीं हो पा रही थी। फोरेंसिक लैब के अफसर के मुताबिक कलेक्ट किए गए मजदूरों के चीथड़े का अलग-अलग डीएनए टेस्ट किया गया। डीएनए लेने 50 से ज्यादा लोगों का सैंपल कलेक्ट किया गया। इसके बाद उन सैंपलों के चीथड़ों की डीएनए रिपोर्ट से मिलान कर सभी मृतकों की अलग-अलग पहचान की गई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल के नाम ज्ञापन सौंपा

नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी बेमियादी हड़ताल पर, तूता में किया धरना-प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ के आव्हान पर प्रदेशभर के नगरीय निकायों के 20 हजार प्लेसमेंट कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर बेमियादी धरना दे रहे हैं। धरना प्रदर्शन के सातवें दिन बस्तर संभाग से पहुंचे प्लेसमेंट कर्मचारियों ने धरना स्थल पर प्रदर्शन कर नगरीय निकायों में ठेका प्रथा समाप्त कर निकायों में समायोजन कर विभाग से वेतन भुगतान की मांग करने जुटे।

नगरीय निकाय चुनाव से पहले प्रदेश भर के नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारियों ने अपने लंबित मांगों को लेकर राज्य शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। लामबंद कर्मचारी 3 दिसंबर से काम ठप कर हड़ताल पर हैं। कर्मचारियों की मांग को पूरा किये जाने नगर निगम रायपुर के अधिकारी कर्मचारी एकता संघ ने समर्थन दिया है। संघ के अध्यक्ष प्रमोद जाधव, ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर नगरीय निकायों में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों की मांगों को पूरा किये जाने समर्थन दिया है। प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ की प्रमुख मांग है शासन के अन्य विभाग जल संसाधन, लोक निर्माण विभाग, पीएचई, वन विभाग की तर्ज पर नगरीय निकाय के प्लेसमेंट कर्मचारियों को निकायों से सीधे वेतन भुगतान किया जाए। निकायों में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों को श्रम सम्मान राशि 4 हजार रुपए दिया जाए।

15-20 साल से काम कर रहे, उचित पारिश्रमिक नहीं

भुक्तभोगी प्लेसमेंट कर्मचारियों का कहना है विगत कई वर्षों से वे अपनी मांग शासन-प्रशासन तक पहुंचा रहे हैं, पर आज तक उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया। 8 घंटे की डयूटी में उनसे 10 से 12 घंटे कार्य कराया जाता है, जिसका उचित पारिश्रमिक भी उन्हें नहीं मिल पाता। कम वेतन में घर चलाना मुश्किल हो रहा है, जबकि शासन-प्रशासन के योजनाओं का प्रशासनिक स्तर पर बहुत सारा कार्य प्लेसमेंट कर्मचारियों के माध्यम से होता है। जैसे वर्तमान में महतारी वंदन योजना, निर्वाचन कार्य, जनगणना कार्य, जातिगत सर्वे कार्य के अतिरिक्त अन्य योजनाओं कार्य नगरीय निकाय के प्लेसमेंट कर्मचारी कराते रहे हैं। इसके बाद भी प्लेसमेंट कर्मचारियों की अनदेखी की जा रही है। इससे प्रदेशभर के नगरीय निकायों के प्लेसमेंट कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है।

ऑनलाइन कार्य का पटवारियों ने किया विरोध, भत्ता सहित जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने की मांग

रायपुर। राज्य शासन ने राजस्व विभाग में ऑनलाइन कामकाज को लागू कर दिया है। पटवारियों को भुइंया साफ्टवेयर में भूमि स्वामियों के दस्तावेजों को ऑनलाइन अपडेट करने की अनिवार्यता कर दी गई है। इस कार्य का राजस्व पटवारी संघ ने विरोध किया है। साथ ही ऑनलाइन कामकाज के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के साथ ही राज्य शासन से इंटरनेट भत्ते की मांग की है। भत्ता व जरूरी संसाधन उपलब्ध न कराये जाने के विरोध में सोमवार को प्रदेशभर के पटवारियों ने काला कपड़ा पहनकर प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों में कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। छत्तीसगढ़ राजस्व पटवारी संघ ने जिले की कार्यकारिणी के माध्यम से जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पटवारियों को ऑनलाइन कार्यों में हो रही विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया।

चेतावनी में इस तरह की जानकारी

राजधानी रायपुर सहित प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों में राजस्व पटवारी संघ के आव्हान पर पटवारियों ने सोमवार को जिला कलेक्टर के नाम से ज्ञापन सौंपा। जिसमें संघ ने इस तरह की चेतावनी दी है -

- 15 दिसंबर तक आवश्यक संसाधन उपलब्ध न कराये जाने की दशा में प्रदेश के सभी पटवारी ऑनलाइन कार्यों व ट्रेनिंग का बहिष्कार कर विरोध जताएंगे।
- 16 दिसंबर से प्रदेश के सभी पटवारी सभी प्रकार के शासकीय वाट्सएप ग्रुप से बहिष्कार करने बाध्य होंगे।

डंगनिया केंद्र की बैठक में अहिल्या बाई की जीवनी पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महाराष्ट्र मंडल की डंगनिया कालोनी महिला केंद्र की बैठक में मराठी संस्कृति, परंपरा और ऐतिहासिक गौरव एक साथ नजर आया। पारंपरिक परिधान में पहुंचकर जहां महिलाओं ने अपनी संस्कृति को संजोया। वहीं दत्तात्रेय जयंती पर सुंदर भजन प्रस्तुत कर अपने पूर्वजों से विरासत में मिली परंपरा का निर्वहन किया। वहीं शिवभक्त देवी अहिल्या बाई होल्कर की विजय गाथा के साथ अपने ऐतिहासिक गौरव को याद किया। बैठक में मंडल की महिला प्रमुख विशाखा तोपखानेवाले ने वर्तमान समाज में रानी अहिल्याबाई होल्कर के योगदान को याद किया। कार्यक्रम में मंडल उपाध्यक्ष गीता दलाल, रेणुका पुराणिक, अपर्णा देशमुख, नमिता शेष, अनुभा जाउलकर, भावना राजिमवाले, अंजली काले, जया भावे, माधुरी इंचुलकर आदि शामिल थीं।

- वहीं दत्तात्रेय जयंती पर सुंदर भजन प्रस्तुत कर अपने पूर्वजों से विरासत में मिली परंपरा का निर्वहन किया

पुरानी कुरीतियों से निजात दिलाई

उन्होंने महिलाओं की शिक्षा, दीक्षा, लेकर कई पुरानी कुरीतियों से उन्हें निजात दिलाई। वे एक आदर्श पत्नी के साथ आदर्श मां भी थीं। वे जीवन के हर कठिन परिस्थिति से जूझने के लिए तत्पर रहती थीं। आगामी 14 दिसंबर को भगवान दत्तात्रेय जयंती दत्तात्रेय मंदिर ट्रस्ट समिति की ओर से मनाया जाएगा। इसमें ज्योति डोलस की टीम भजन की प्रस्तुति देंगी।

बिजनेस साइट

श्री बालाजी गारमेंट सेल में एक से बढ़कर एक कपड़े, डायरेक्ट फैक्ट्री रेट पर

रायपुर। गढ़कलेवा के पास, राजभवन गेट नं.-3 के सामने, घड़ी चौक स्थित गुरुतेग बहादुर हॉल में चल रहे श्री बालाजी रेडीमेड गारमेंट सेल को रायपुरियंस से शानदार रिस्पांस मिल रहा है। इस सेल में ग्राहक विंटरवियर से लेकर रेडीमेड कपड़े, सभी होलसेल रेट्स पर खरीद सकते हैं।

यहां पर ओरिजिनल कोरियन फैंसी टॉप और लॉन्ग शर्ट मात्र 99 रुपये में उपलब्ध हैं, जबकि गर्ल्स और बॉयज की ओरिजिनल कोरियन जैकेट्स 199 रुपये में बिक रही हैं। वहीं, प्रीमियम क्वालिटी की हाई नेक शर्ट 99 रुपये में और स्वेटर 199 रुपये में उपलब्ध हैं। विंटर लोअर भी 199 रुपये में मिल रहा है। संचालक ने बताया कि इस सेल में तिरुपुर, मुंबई और लुधियाना के ब्रांडेड आइटम्स भी उपलब्ध हैं। इनमें ब्रांडेड टी-शर्ट्स, कॉटन शॉर्ट्स, ब्रांडेड लोअर, गर्ल्स टॉप, लेडीज जीन्स, बॉम्बे फैंसी लखनऊ चिकन और रॉयन डेली वियर शामिल हैं। बच्चों के कपड़ों की भी एक व्यापक रेंज उपलब्ध है।

कलिंगा विश्वविद्यालय में विज्ञान कार्यशील मॉडल प्रतियोगिता 3.0 का आयोजन

रायपुर। कलिंगा विश्वविद्यालय ने अपने परिसर में विज्ञान कार्यशील मॉडल प्रतियोगिता 3.0 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और उनके प्रयासों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में 65 से अधिक स्कूलों के 500 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और कुल 150 मॉडल प्रस्तुत किए गए। साथ ही 400 से अधिक छात्रों ने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर. श्रीधर ने रजिस्ट्रार डॉ. संदीप गांधी और अन्य संकाय सदस्यों के साथ इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। समारोह की संचालनकर्ता अंग्रेजी विभाग की सहायक प्रोफेसर विशाखा तिवारी थीं।

आरके सारडा विद्या आश्रम रायपुर में क्षेत्रीय स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

रायपुर। आर के सारडा विद्या आश्रम में क्षेत्रीय स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें शहर के दस प्रमुख स्कूलों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि नारायण नटराजन अय्यर और विद्यालय के प्रधानाचार्य अमरकांत मिश्रा ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस आयोजन में नन्हे वैज्ञानिकों का उत्साह देखते ही बना। छोटे बच्चों ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रोबोटिक्स, अभियांत्रिकी, दवाओं और पर्यावरण विज्ञान से संबंधित कई अद्भुत मॉडल्स प्रस्तुत किए। इस दौरान छः नवीनतम रोबोट प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण बने, जिन्होंने वहां मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कैंसर के जोखिम को कम कर सकता है उष्ट्रासन

- एम्स के विशेषज्ञ डॉ. मय राठौर ने ली लोनावला में क्लास

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के जोखिम को विभिन्न तरह के योगासन कम कर सकते हैं। एम्स के योग एनाटॉमी विशेषज्ञ डॉ. मृत्युंजय राठौर ने लोनावला के कैवल्यधाम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग देखभाल सम्मेलन में आसनों के शिक्षण का अभिनव दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

'कैंसर सर्वाइवरशिप के लिए माइंडफुल आसन प्रैक्टिस' थीम पर आधारित इस वर्कशॉप को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों से जबरदस्त प्रशंसा मिली। सम्मेलन में डॉ. राठौर ने कैंसर सर्वाइवरशिप के लिए उष्ट्रासन (कैमल पोज) के महत्व को रेखांकित किया और इसके चिकित्सीय लाभों और अंतर्निहित तंत्रों को समझाया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे विशेष आसन कैंसर देखभाल के सर्वाइवरशिप चरण के दौरान शारीरिक और मानसिक पुनर्प्राप्ति में योगदान दे सकते हैं। इसके अतिरिक्त कैंसर की रोकथाम में आसन अभ्यास की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नियमित अभ्यास तनाव को कम करने, प्रतिरक्षा को बेहतर बनाने, रक्त संचार को बढ़ाने और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद करता है, जो कैंसर के विकास के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण कारक है। सत्र के दौरान डॉ. राठौर ने त्रिकोणासन और उष्ट्रासन जैसे विभिन्न आसनों को करते समय आने वाली चुनौतियों पर भी चर्चा की और सही तकनीक तथा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए।

सूबेदार, एसआई, प्लाटून कमांडर सहित 971 पदों के परिणाम जारी, शीर्ष-10 में मात्र एक महिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा पुलिस मुख्यालय के अंतर्गत रिक्त पदों के लिए आयोजित भर्ती परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। व्यापम ने 971 पदों के लिए यह भर्ती परीक्षा वर्ष 2023 में 26,27 और 29 मई को आयोजित की थी। छत्तीसगढ़ में पुलिस विभाग के सूबेदार, उप निरीक्षक, उप निरीक्षक (विशेष शाखा), प्लाटून कमाण्डर, उप निरीक्षक (अंगुल चिन्ह), उप निरीक्षक (प्रश्नाधीन दस्तावेज), उप निरीक्षक (रेडियो), उप निरीक्षक (कम्प्यूटर) के लिए व्यापम ने फाइनल लिस्ट जारी करते हुए 2 हजार 618 कैंडिडेट्स की मेरिट लिस्ट अपने आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड की है।

इसके साथ ही व्यापम द्वारा मेरिट लिस्ट भी अपलोड की गई है। इसके अनुसार, अर्जुन सिंह शीर्ष पर रहे हैं। मेरिट लिस्ट के साथ ही चयन सूची में भी पुरूष अभ्यर्थियों का ही दबदबा रहा है। टॉप-10 में मात्र एक ही महिला उम्मीदवार अपनी जगह बना सकी हैं, जबकि अन्य 9 पुरूष अभ्यर्थी हैं। जारी की गई सूची के अनुसार, अभिषेक पाठक दूसरे, मनोज कुमार तीसरे, विकास केरकेट्टा चौथे, संजय कुमार पांचवें, अनुराग छठवें और महेन्द्र कुमार सातवें, शीलू श्रीवास्तव आठवें, नीरज तिर्की 9वें नंबर पर नीरज तिर्की और संजय सिंह 10वें स्थान पर हैं।

- 2023 में 26, 27 और 29 मई को किया गया था मुख्य लिखित भर्ती परीक्षा का आयोजन
- पुलिस मुख्यालय के अंतर्गत रिक्त पदों पर होनी है भर्ती

डेढ़ वर्ष पश्चात परिणाम

मई 2023 में परीक्षा आयोजित किए जाने के बाद व्यापम ने 5 जून 2023 को मॉडल उत्तर जारी किए थे। इसके बाद निर्धारित तिथि तक दावा आपत्ति भी मंगाई गई थी। मॉडल आंसर जारी किए जाने के डेढ़ वर्ष पश्चाम व्यापम ने परीक्षा परिणामों की घोषणा की है। दावा आपत्ति के निराकरण के बाद अंतिम चयन सूची जारी की कई है। मेरिट लिस्ट व्यापम की आधिकारिक वेबसाइट के साथ ही पुलिस मुख्यालय की वेबसाइट www.cgpolice.gov.in पर भी देख सकते हैं। प्रश्नपत्रवार प्राप्तांक भी व्यापम ने अपने वेबसाइट में अपलोड कर दिए हैं।

लेफ्ट, यू-टर्न करने वालों के लिए जगह नहीं इस वजह से भी लग रहा जाम

रायपुर के ट्रैफिक सिग्नल में लोग जाम से हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी के रहवसी शहर के व्यस्ततम के साथ अंदरुनी इलाकों के ट्रैफिक सिग्नल में आए दिन फंस रहे हैं। पंडरी बस स्टैंड भाठागांव शिफ्ट होने के बाद लोगों को ट्रैफिक जाम से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद थी। पंडरी बस स्टैंड के इंटर स्टैंड बस स्टैंड शिफ्ट होने के बाद घड़ी चौक में लोगों को थोड़ी राहत मिली है, लेकिन रायपुरा, भाठागांव, सहित पचपेड़ी नाका में ट्रैफिक का दबाव पहले से कई गुना ज्यादा बढ़ गया है।

गौरतलब है कि राजेंद्र नगर ब्रिज के नीचे अंडर पास के साथ पचपेड़ी नाका, संतोषी नगर, भाठागांव, सुंदर नगर तथा रायपुरा स्थित ओवर ब्रिज के नीचे अंडर पास का स्ट्रक्चर ऐसा है कि वहां ट्रैफिक सिग्नल नहीं लगाया जा सकता। इसके चलते ट्रैफिक पुलिस को इन जगहों में मैन्युअल तरीके से ट्रैफिक कंट्रोल करना पड़ता है। इन मार्गों में कई जगह सर्विस रोड काफी संकरी है। इस वजह से भी लोगों को जाम से जूझना पड़ता है। वीआईपी मूवमेंट होने की स्थिति में तेलीबांधा से लेकर रायपुरा चौक तक ट्रैफिक व्यवस्था धाराशायी हो जाती है।

लेफ्ट, टू-टर्न करने वालों को जगह नहीं

जिन चौक-चौराहों में सिग्नल लगे हैं उन चौक-चौराहों में लेफ्ट तथा यू-टर्न करने वालों के लिए मार्किंग की गई है। लेफ्ट टर्न को क्लीयर रखने प्लास्टिक के पोल भी लगाए गए हैं। बावजूद इसके लेफ्ट टर्न करने लगाए गए पोल के उस पार तथा यू-टर्न करने लगाए गए मार्किंग में वाहन खड़े कर देते हैं। इसके चलते बेवजह लोगों को ट्रैफिक जाम से जूझना पड़ता है।

अंदरुनी इलाकों की स्थिति भी दयनीय

शहर के अंदरुनी इलाके खासकर शंकर नगर, खम्हारडीह, जयस्तंभ, घड़ी चौक, फाफाडीह, आंबेडकर अस्पताल, लाखेनगर चौक सहित शहर के कई ऐसे प्रमुख चौक चौराहे हैं, जहां सुबह कार्यालयीन समय तथा शाम के समय लोगों को ट्रैफिक सिग्नल पार करने इंतजार करना पड़ा है। इन जगहों में स्थिति ऐसी हो जाती है कि लोगों को ग्रीन सिग्नल क्रास करने दो-दो बार रेड सिग्नल में खड़े होकर इंतजार करना पड़ता है।

सिग्नल के पास वाहनों की पार्किंग

शहर में सिग्नल के पास ट्रैफिक जाम की वजह सिग्नल के आस-पास मोड़ में वाहन पार्क करना है। खासकर जयस्तंभ तथा शास्त्री चौक में ऐसी स्थिति देखने को मिलती है। ट्रैफिक पुलिस अभियान चलाकर वाहन चालकों के खिलाफ नो पार्किंग की कार्रवाई भी करती है। बावजूद इसके वाहन चालक ऐसी जगहों में वाहन पार्क कर ट्रैफिक समस्या बढ़ाने का कार्य करते हैं।

हरिभूमि लाइव

रायपुर, मंगलवार 10 दिसंबर 2024

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

सराफा में छत्तीसगढ़ी आभूषणों के 50 से...

लाइव इवेंट

कैडेट्स को सेना में भर्ती करने कैंप व एडवेंचर की होंगी गतिविधियां

रायपुर। राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा रायपुर ग्रुप की जिम्मेदारी ब्रिगेडियर डीके पात्रा को दी गई। जिन्हें, 12 दिसंबर से छत्तीसगढ़ के एनसीसी ग्रुप की पूर्ण दायित्व दी जा रही। कोटा स्थित 27 छत्तीसगढ़ एनसीसी बटालियन परिसर में सोमवार को पत्रकारों से चर्चा के दौरान युद्ध सेवा मेडल ब्रिगेडियर विक्रम सिंह चौहान ने अपना अनुभव साझा किया। ब्रिगेडियर बीते डेढ़ साल से रायपुर ग्रुप का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। ब्रिगेडियर चौहान ने कहा, छत्तीसगढ़ का समूह भारत का सबसे बड़ा एनसीसी ग्रुप है। जिसमें 16 एनसीसी इकाइयां शामिल हैं। एनसीसी गतिविधियां प्रदेश के 342 शैक्षणिक संस्थानों में संचालित की जा रही। इसमें 101 कॉलेजों और 241 स्कूलों के कैडेट ने हिस्सा लिया है।

सेना भर्ती के लिए कैडेट को ट्रेनिंग-ब्रिगेडियर

एनसीसी में शामिल 43 प्रतिशत कैडेट गर्ल्स की है, जो एक गर्व का विषय है। साल 2024 में रायपुर समूह के 25 कैडेटों ने नई दिल्ली के गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया। साथ ही 2025 की परेड में भी लगभग 20 से अधिक कैडेट हिस्सा लेंगे। सामाजिक स्तर पर जागरुकता अभियान, राष्ट्रीय स्तर पर प्रगति, नेशनल प्रतियोगिता में कैडेट की भागीदारी और शिविर के माध्यम से जनहित के कार्य बीते दिनों किया गया। चर्चा के दौरान ब्रिगेडियर डीके पात्रा ने कहा, प्रदेश के कैडेट्स की नई उपलब्धियां ही मेरी जिम्मेदारी रहेंगी। कैंप, एडवेंचर, सेना में भर्ती के लिए शिक्षण जैसे कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। साथ ही नए कैडेट्स को जोड़ने का भी प्रयास किया जाएगा। एनसीसी के कैडेट्स को सेना में भर्ती होने पर कई फायदे होते हैं, जिसके लिए फिजिकल एक्टिविटी और प्रशिक्षण क्लास संचालन करने का प्रयास किया जाएगा।

सिटी इवेंट

शिक्षक डॉक्टर ने नवप्रवेश छात्रों को सुनाया गाना, एक साथ किया डांस

रायपुर। पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए एम.बी. बी.एस. में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए औपचारिक व्हाइट कोट सेरेमनी के बाद संगीतमय स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय परिसर में स्थित अटल बिहारी बाजपेयी सभागार में ढाई घंटे तक चले इस कार्यकम में वरिष्ठ चिकित्सा शिक्षकों ने अपने संगीतमय हुनर का प्रदर्शन किया। एम.बी.बी.एस. प्रथम वर्ष में नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने भी एकल व समूह गान प्रस्तुत किए। मधुबन खुशबु देता है, सागर सावन देता है.., जैसे प्रेरक समूह गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ अधिष्ठाता, डॉ. विवेक चौधरी की उपस्थिति में किया गया। तत्पश्चात एकल गीतों की कड़ी में डॉ. देवप्रिय रथ का आरंभ है प्रचंण... डॉ. अरविन्द नेरल का प्यार दीवाना होता है..,डॉ. वर्षा मुंगुटवार बाबू जी जरा धीरे चलना.., डॉ. आर.एल. खरे- सुनो न संगमरमर.., डॉ. विभा पात्रे- ओ मेरे सोना रे सोना, डॉ. आकाश लालवानी - 'सांसों की जरूरत है जैसे, डॉ. संतोष सोनकर- मैं हूं डॉन.., डॉ. पीयूष भार्गव- सोचेंगे तुम्हें प्यार करें कि नहीं.., डॉ. मान्या ठाकुर मोह-मोह के धागे और डॉ. कुशल चक्रवर्ती की बेसब्रियां प्रस्तुतियां काफी सराही गईं।

शिक्षकों ने छात्रों के साथ किया डांस

कार्यक्रम में शिक्षकों ने अपनी दिलकश आवाज के साथ छात्रों को खुश कर दिया। इस दौरान जब चिकित्सा शिक्षकों ने बदन पे सितारे लपेटे हुए.., और आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे.., जैसे गाने समूह गीत के रूप में पेश किए तो शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थियों ने जमकर डांस और मस्ती की। विद्यार्थियों की ओर से पारूल साहू, शीतल एक्का, समीप कुजुर, प्रियांश राज और प्रिया कुमारी ने एकल गायन प्रस्तुत किया। डॉ. अरविन्द नेरल के नेतृत्व में आयोजित इस मनोरंजक कार्यकम का संचालन डॉ. पीयूष भार्गव ने किया। अधिष्ठाता एवं अधीक्षक के अलावा डॉ. देवप्रिय लकड़ा, डॉ. मंजू सिंह, डॉ. ओंकार खण्डवाल, डॉ. सुमीत त्रिपाठी, डॉ. जागृति अग्रवाल, डॉ. पी. के. खोडियार, डॉ. निकिता शेरवानी, डॉ. राबिया परवीन सिद्दीकी, डॉ. उषा जोशी, डॉ. हंसा बंजारा, डॉ. जया लालवानी, डॉ. के.के. साहू, डॉ. विवेक पात्रे, डॉ. आर. के पांडा और अन्य चिकित्सा शिक्षक उपस्थित थे।

छात्रों में लेखन क्षमता हो रही कम इससे शोध कार्यों पर पड़ रहा असर

रायपुर। छात्रों को शोध करने और लेखन क्षमता को बढ़ाने दावड़ा यूनिवर्सिटी में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बताया गया कि छात्रों में लेखन क्षमता समय के साथ कम होती जा रही है, जिसका असर उनकी शैक्षिक योजनाओं में नजर आने लगी है। इस दौरान

फैकल्टी के छात्रों को उनके अलग-अलग विषयों पर शोध करने के लिए उत्साहित किया गया। डॉ. प्रशांत मुंडेजा प्राध्यापक मैट्स विश्वविद्यालय ने शोध एवं पुस्तक अध्याय लेखन की विधियों, संरचना और प्रभावी लेखन की तकनीकों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने शोध में नयापन, प्रकाशन के लिए पत्रिकाओं का चयन और अकादमिक लेखन की शैली पर भी जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन दिक्षा कौशिक सहायक प्राध्यापक एवं मधुरा कर्वे सहायक प्राध्यापक दावड़ा विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कुमार श्वेता, परीक्षा नियंत्रक डॉ. वरुण गजीर, मानद निदेशक तुलसीदास संघनी उपस्थित रहे।

● बीते पांच सालों में शहरी क्षेत्र में मानव अधिकार आयोग में सर्वाधिक प्रकरण, बस्तर संभाग में सबसे कम मामले

सामाजिक बहिष्कार पर रायपुर और दुर्ग से सर्वाधिक लोगों ने उठाई आवाज, हर साल छग में 2000 से अधिक केस

व्यक्ति के जन्म के साथ ही उसे जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार मिल जाता है। लोगों को उनके अधिकारों के बारे में बताने और जागरूक करने के उद्देश्य से ही हर साल 10 दिसंबर को पूरी दुनिया में मानव अधिकार दिवस मनाया जाता है।

रायपुर। मानवाधिकारों में मुख्य रूप से आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार और अंतरराष्ट्रीय नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता शामिल है। बदलते समय के साथ राजधानी में लोग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हुए हैं। यही वजह है कि हर साल प्रकरणों की शिकायतें बढ़ती जा रही हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी जागरुकता के अभाव में शिकायतों की संख्या गिनती के हैं।

हरिभूमि ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से मानव अधिकार आयोग को मिली शिकायतों का अध्ययन किया, तो पता चला कि 2020 से 2021 में सर्वाधिक प्रकरण रायपुर से 497 मिले थे, जिसमें 316 मामलों को आयोग ने निराकरण किया था। यह जानकारी वेबसाइट में भी उपलब्ध है। आयोग के मुताबिक वर्तमान में हर साल 2000 से अधिक मामले विभिन्न जिलों से देखने को मिल रहे हैं। 2023-24 में भी रायपुर के बाद दुर्ग में अधिक मामले दर्ज हुए हैं। बता दें कि भारतीय संसद से पारित मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1994 के अंतर्गत 16 अप्रैल 2001 को छत्तीसगढ़ राज्य में राज्य मानव अधिकार आयोग का गठन किया गया। तभी से छत्तीसगढ़ में मानव अधिकारों के संरक्षण और पीड़ित व्यक्तियों को न्याय दिलाने का काम किया जा रहा है।

जानें मानव अधिकार क्या है

मानवाधिकारों में जीवन, स्वतंत्रता, सुरक्षा, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की आज़ादी, काम और शिक्षा का अधिकार शामिल हैं। मानवाधिकारों का लाभ सभी को बिना किसी भेदभाव के लेना चाहिए। मानवाधिकारों के ज़रिए सामाजिक अन्याय और बुरी प्रथाओं के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाई जा सकती है। मानवाधिकारों का लाभ लेने में किसी व्यक्ति के जाति, लिंग, राष्ट्रीयता, भाषा, धर्म, या कोई अन्य स्थिति कोई बाधा नहीं बनती।

रंग, जाति, धर्म, लिंग के आधार पर प्रताड़ित नहीं किया जा सकता

1948 में संयुक्त राष्ट्र सामान्य महासभा ने मानव अधिकारों को अपनाने की घोषणा की थी, लेकिन आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा साल 1950 में की गई। मानवाधिकार दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और भेदभाव को रोकना है। मानवाधिकार वे मूलभूत अधिकार हैं जिनकी वजह से मनुष्य को नस्ल, रंग, जाति, धर्म, लिंग, भाषा, राष्ट्रीयता और अन्य विचारधारा आदि के आधार पर प्रताड़ित नहीं किया जा सकता। साथ ही इन्हें देने से भी वंचित नहीं किया जा सकता। इसमें स्वास्थ्य, आर्थिक सामाजिक और शिक्षा का अधिकार भी शामिल हैं।

विश्व मानव अधिकार दिवस आज

सामाजिक और पेंशन से जुड़े मामले अधिक

छत्तीसगढ़ में मानव अधिकार आयोग में पांच सालों में ज्यादातर मामले सामाजिक बहिष्कार और पेंशन संबंधित मिले हैं। इसके अलावा पुलिस थाने से संबंधित और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े मामले आए हैं। आयोग का कहना है कि बीते कुछ सालों से शहरी क्षेत्र में लोगों में जागरुकता आने से अधिकारों के हनन होने पर इसकी शिकायत करने आयोग के पास लोग पहुंच रहे हैं। वहीं, बस्तर संभाग में अब भी मामले कम ही हैं। 2020 से 2024 तक प्रतिवर्ष सुकमा, दंतेवाड़ा, कोंडागांव में नारायणपुर में कुल मामले लगभग 100 तक हैं। रायगढ़ और जांजगीर चांपा में हर साल 100 से अधिक मामले आयोग के पास पहुंच रहे हैं।

थिरकते कदमों से मुद्रा और भावों की रासलीला

कपिल देव, एमएस धोनी, रोहित शर्मा के किरदार में नजर आए छात्र

रायपुर। होली हार्ट्स एजुकेशनल एकेडमी स्कूल द्वारा तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। पंडित दीनदयाल ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम का थीम 'जयतु -जयतु भारतम्' रखा गया। समारोह में आकर्षण का केंद्र देश के वैज्ञानिकों की सफलता, डिजिटल इंडिया, उद्योगपतियों का देश की प्रगति में योगदान पर नाटक एवं डांस का मंचन किया गया। वहीं, दिव्यांग खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चैंपियनशिप के विजेताओं के जीवन परिचय पर भी नाटक का मंचन किया गया। यह दोनों प्रस्तुति लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहीं, जिसे नन्हे विद्यार्थियों ने बीते 20 दिनों की कड़ी मेहनत के साथ तैयार किया था।

जयतु -जयतु भारतम् थीम पर उत्सव

कुछ करिए, कुछ करिए नस नस मेरी खोले, हाय कुछ करिए...चक-दे इंडिया गाने के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसमें साल 1983, 2011, 2024 के वर्ल्ड कप और क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल देव ,एमएस धोनी, रोहित शर्मा के संघर्ष को दिखाया गया। प्रस्तुति में इंडिया की जीत और देशवासियों की खुशी पर एक नाटक की प्रस्तुत दी गई। इसमें कक्षा 6वीं से 12वीं तक के छात्रों ने शानदार प्रस्तुति के माध्यम से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। आयोजन में मुख्य अतिथि के रुप में रिविव के कुलपति प्रो.सच्चिदानंद शुक्ला उपस्थित रहे। साथ ही संस्था के चेयरमैन आचार्य सुरेंद्र प्रताप सिंह और प्रिंसिपल नीपा चौहान शामिल हुए।

श्रीकृष्ण का वंदन में प्रस्तुति

शाम 6 से आयोजित कार्यक्रम देर रात तक चली, जिसमें 600 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रस्तुति दी। इस अवसर पर मोहिनीअट्टम ,कथकली, फ्यूजन कथक, भरतनाट्यम, पारंपरिक एवं फिल्मी गानों पर नृत्य की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा सामूहिक रूप से श्रीकृष्ण का वंदन, शिव जी का रौद्र रूप, विष्णु भगवान के दस अवतार के दृश्य का मंचन किया गया।

बच्चों ने साइन लैंग्वेज में सीखा गायत्री मंत्र, शिक्षकों ने बताया मंत्रों का महत्व

रायपुर। प्रत्युषा फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने दिव्यांग स्कूल में दिव्यांगों के साथ समय बिताया। इस दौरान उन्हें दिव्यांगों के अधिकारों से अवगत कराया। पदाधिकारियों ने बताया कि पहले सिर्फ 7 प्रकार की दिव्यांगता थी, जो अब 21 प्रकार की हो चुकी हैं। बच्चों के द्वारा सभी का स्वागत साइन लेंग्वेज में किया गया। संस्था की अध्यक्ष प्रीति दास मिश्रा ने मूक-बधिर बच्चों को साइन लेंग्वेज में गायत्री मंत्र सिखाया। इस दौरान उन्हें सभी मंत्रों का महत्व भी बताया गया, जिसके बाद बच्चों ने अपने अंदाज में साइन लेंग्वेज में गायत्री की प्रस्तुति दी। संस्था के द्वारा सभी बच्चों को स्टेशनरी सामान भेंट किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के लिए खाने की भी व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पुष्पा साहू संस्था की अध्यक्षा प्रीति दास मिश्रा मीडिया प्रभारी, शशि यादव उपाध्यक्ष व नीला बघेल, वेणु जोशी, अर्चना यादव, प्रकाश जोशी मोनिका गुप्ता स्कूल के प्रधान अध्यापक व शिक्षिका उपस्थित रहे।

कला उत्थान महोत्सव के दूसरे दिन लोककला नृत्य की प्रस्तुति ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

हाथों में धनुष लेकर कलाकारों ने नृत्य में पिरोई कमार जनजाति की संस्कृति, मंच पर सजाया गांव, वाद्ययंत्रों की ध्वनि से देव आराधना

कार्नर न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के हर जनजातीय नृत्य में उनकी संस्कृति और देवताओं के आराधना का विशेष महत्व है। मुक्ताकाशी मंच पर चल रहे छत्तीसगढ़ राज्य के विलुप्त लोक व जनजातीय कला महोत्सव के दूसरे दिन कमार जनजातीय नृत्य की प्रस्तुति दी गई। कलाकारों ने मंच में मिट्टी, घास और भूस से अपना गांव बनाया और नृत्य के जरिए अपनी संस्कृति के अनुसार देवता पूजा और आदिवासी जीवन शैली की जीवंत प्रस्तुति दी। कलाकार हाथों में तीर धनुष व भाला लेकर मंच पर पहुंचे, जिसके बाद गीतों और संवाद के जरिए लोगों को जनजातीय नृत्य की विशेषता और संस्कृति की जानकारी दी। 30 मिनट की इस प्रस्तुति में कलाकारों ने वाद्य यंत्रों के जरिए अपनी संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया। हाथों में बांस का सुपा और टोकरी लेकर नृत्य की प्रस्तुति दी, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। यह प्रस्तुति मोहित कुमार और टीम ने दी। इसके अलावा सुआ नृत्य में माता की महिमा देखने को मिली। रंगीन वेश-भूषा और कमर पर गुदुम बांधकर लय और ताल के साथ, विभिन्न मुद्राओं के साथ नृत्य किया।

लोगों ने सुना बांस गीत

कार्यक्रम में कलाकारों के जरिए बांस गीत की प्रस्तुति दी गई है। कई लोगों ने पहली बार बांस के बने वाद्य यंत्रों की ध्वनि सुनी। कलाकारों ने बांस लोकगीत का महत्व बनाया। लोकगीत की रंगारंग प्रस्तुति ने सबका दिल जीत लिया। बांस गीत के माध्यम से कथा प्रसंग सुनाया। छत्तीसगढ़ के विलुप्त होने वाली कला को देखने व सुनन के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। आज महोत्सव का समापन होगा, जिसमें प्रदेश के कलाकार प्रस्तुति देंगे।

भरथरी गायन ने मोहा दर्शकों का मन

कार्यक्रम में कलाकार रेखा और साथियों ने भरथरी गायन की प्रस्तुति दी, जिसमें राजा भरथरी की जीवन गाथा के बारे में बताया गया। भरथरी गायन ने सभी का मन मोह लिया। भरथरी के बैराग प्रसंग की भी जानकारी दी गई। प्रस्तुति के जरिए लोगों ने छत्तीसगढ़ की अनोखी गायन शैली सुनने को मिली। लोककला और संस्कृति से सजे मंच पर लोगों ने छत्तीसगढ़ के जनजाति के बारे में नृत्य व गायन के जरिए बताया। छत्तीसगढ़ में भरथरी दुर्लभ गायन है। कलाकारों ने मंच पर प्रस्तुति के जरिए सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

धर्म लाइव

मराठी और हिंदी भजनों से गणेश की आराधना, चांदी के मुकुट के साथ श्रृंगार

रायपुर। ब्रम्हपुरी स्थित प्राचीनतम दत्तात्रेय मंदिर में दस दिवसीय दत्तात्रेय जयंती महोत्सव का आयोजन किया जा रहा। जिसके दूसरे दिन दोपहर में श्रीराम मंदिर महिला मंडल द्वारा भगवान गणेश, दत्त प्रभु व शिवशंकर पर आधारित मराठी व हिन्दी भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर गजानन श्री गजानना...दत्त तुम्हारे मंदिर में...दत्त राज हारी आला व शिव कैलाश के वासी...भजनों पर प्रस्तुति दी गई। भजन संध्या के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसर में बनी रही। भजन के दौरान राम मंदिर समिति से अनधा करकशे, सौ सुनंदा लाखे, मनुजा काले, अंजलि

सितुत, संगीता नांदेडकर, जयश्री केलकर, मनुजा काले, हेमा ताई बर्वे, सुचित्रा देशपांडे, अर्चना पराड़कर उपस्थित रहीं। महोत्सव के अवसर पर सुबह से ही मंदिर में भव्य श्रृंगार किया गया, जहां भगवान दत्तात्रेय को स्वर्ण के आभूषण और चांदी के मुकुट के साथ आकर्षक श्रृंगार देखने को मिला।

अब ज्वेलरी दुकानों में एक सेक्शन छत्तीसगढ़ी ज्वेलरी का तैयार, युवाओं की बन रही पसंद

सराफा में छत्तीसगढ़ी आभूषणों के 50 से अधिक डिजाइन मॉडलिंग से लेकर शादी तक के लिए हो रहे इस्तेमाल

आधुनिकता के साथ पारंपरिक वेशभूषा के प्रति प्रदेशवासियों का रुझान बढ़ता जा रहा है। बीते कुछ सालों में पारंपरिक आभूषणों की लोकप्रियता अधिक देखने को मिली, जहां लोग छत्तीसगढ़ी ज्वेलरी खरीदना पसंद कर रहे। इसमें युवाओं की संख्या सबसे अधिक है, जो आधुनिकता के साथ पारंपरिक धरोहर से जुड़े हुए हैं। इन दिनों ज्वेलरी दुकानों में एक सेक्शन छत्तीसगढ़ी ज्वेलरी का तैयार किया गया है। जिसमें पारंपरिक आभूषणों की 50 से अधिक डिजाइन एक साथ देखने को मिल सकता है।

रायपुर। शहर स्थित आर्टिफिशियल और सोने-चांदी के दुकानों में पारंपरिक ज्वेलरी तैयार किया जा रहा। इसमें खरीदारों की पहली पसंद चूरी, कड़ा, सूता, सिक्का माला, सांटी और कमरबंद हैं। दुकान संचालकों ने बताया, ज्वेलरी की खरीदी युवा पीढ़ी सबसे अधिक कर रही। इसमें वह पारंपरिक डिजाइन के साथ ही आभूषणों की खरीदी करना पसंद करते हैं। इस दौरान महिलाओं के लिए आकर्षक डिजाइनर के साथ चांदी की माला तैयार की जा रही है। जिसमें छत्तीसगढ़ी वन्य जीवन, पारंपरिक आदिवासी जीवन, देवी-देवता जैसे आकृति बनाई जाती हैं। शादियों में लोग ब्राइड के लिए एक पारंपरिक ज्वेलरी की खरीदना पसंद कर रहे, जिसमें कड़ा ट्रेंड में है।

पारंपरिक डिजाइन ही पहली पसंद

सन एंड सन ज्वेलर्स के प्रबंधक श्याम सोनी ने बताया, खरीदारों की पसंद अनुसार पारंपरिक आभूषण दुकान में मौजूद है। इसमें साटी, माला, कड़ा और कमरबंद महिलाओं की पहली पसंद हैं। दुकान में साटी 100ग्राम, कमरबंद 60-70 ग्राम, लच्छा 150 ग्राम से तैयार होने शुरू है, जिसकी कीमत वेट के अनुसार तय किया जाता है। आभूषणों की खरीदी यादगार और इंवेस्टमेंट के उद्देश्य से भी किया जाता है, जिसमें लोग लाइव वेट की ज्वेलरी भेंट स्वरूप भी खरीदना पसंद कर रहे हैं।

कस्टमाइज न्यू लुक की ज्वेलरी की खरीदी

अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स के प्रबंधक प्रतीक तिवारी ने बताया, बजट अनुसार लोग खरीदी करना पसंद करते हैं। दुकान में कमरबंद, चूरी, बिछिया, कड़ा, साटी और माला उपलब्ध हैं। पारंपरिक डिजाइन के साथ कस्टमाइज न्यू लुक की ज्वेलरी खरीदी जा रही। इसमें माला और कड़ा खरीदारों की पहली पसंद हैं। आभूषणों को दुकान एवं अन्य राज्यों के कारीगरों द्वारा तैयार किया जाता है, जिसकी शुरुआत 10 ग्राम ज्वेलरी से होती हैं।

आर्टिफिशियल पारंपरिक ज्वेलरी

चिन्हारी दुकान के संचालक शुशांक अग्रवाल ने बताया, आर्टिफिशियल छत्तीसगढ़ी ज्वेलरी सबसे अधिक स्कूल और कॉलेज के छात्र रेंट पर खरीदना पसंद करते हैं। इन दिनों महिलाएं ज्वेलरी का सेट खरीद रही हैं, जिसमें सिक्के की माला, कलगी, कोड़ी पट्टा, कड़ा, पैर कड़ा, बाली और सूता शामिल होता है। जिसकी कीमत 3 हजार रुपए तय की गई। बीते 3-4 सालों में ज्वेलरी की डिमांड लगातार बढ़ रही। लोग अपने दोस्तों और करीबियों को गिफ्ट करने के लिए भी इसकी खरीदी कर रहे।

जूट, धान, बांस से पारंपरिक ज्वेलरी

शुभा कलाकृति की संचालक शुभा मिश्रा ने बताया, दुकान में जूट, धान, कोड़ी, स्टोन, सिक्का, और बांस की मदद से पारंपरिक ज्वेलरी तैयार की जाती हैं। जिसकी कीमत 50 रुपए से 2 हजार तय की गई हैं। जिससे नेकलेस, चुड़ी, बाली और अंगूठी तैयार की जाती हैं। पारंपरिक आभूषणों का क्रेज बीते 3-4 सालों से बढ़ता जा रहा, जिसके कारण त्यौहार से एक माह पहले ही लोग ऑडर करना पसंद करते हैं। शादी और रिटर्न गिफ्ट के लिए भी इसकी खरीदी की जाती हैं।

रिटर्न गिफ्ट में जूट की ज्वेलरी

दुकान संचालक जया बंजारे ने बताया, हैंड मेड आर्टिफिशियल ज्वेलरी दुकान में बनाई जाती हैं। जूट, धान, बांस की मदद से कस्टमाइज ज्वेलरी तैयार की जाती है। जिसमें लोग अपने परिधानों के अनुसार और उपहार के लिए इसे तैयार करते हैं, ज्वेलरी सेट में 6-7 शामिल होते हैं। इसकी कीमत 200 रुपए से शुरू होकर ज्वेलरी के अनुसार तय की जाती है। त्यौहार सीजन में ज्वेलरी की डिमांड सबसे अधिक होती है। नए साल के लिए सौ से अधिक जूट के नेकलेस का ऑर्डर लिया गया है। इसके साथ ही शादी में हल्दी, मेहंदी और रिटर्न गिफ्ट के लिए भी थीम बेस्ट ज्वेलरी तैयार की जा रही।

सिटी लाइव

अमिटी यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन कल से

रायपुर। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन के 7वें संस्करण का आगाज 11 दिसंबर को अमिटी यूनिवर्सिटी में होगा। इस दो दिवसीय आयोजन का शुभारंभ देशभर में 51 केंद्रों पर होगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस आयोजन का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। अमिटी यूनिवर्सिटी भी स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन की मेजबानी करेगी। कुलपति प्रो. डॉ. पीयूष कांत पांडे ने यह जानकारी सोमवार को पत्रकार वार्ता में देते हुए बताया कि इसमें विद्यार्थी 17 तरह की समस्याओं का नवाचार से किस तरह समाधान किया जा सकता है, यह भी बताएंगे।

186 प्रतिभागी भाग लेंगे

13 राज्यों की 31 टीमों से जुड़े 186 प्रतिभागी भाग लेंगे। 103 पुरुष एवं 83 महिलाओं के साथ 28 मेंटर भी शामिल होंगे। इसमें उद्योग, अकादमिक दोनों क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ 17 जूरी मेंबर्स की उपस्थिति रहेगी। जो प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करेंगे। इसका समापन 12 दिसंबर को है। आगे बताया कि एमिटी यूनिवर्सिटी रायपुर नोडल सेंटर है। ग्रैंड फिनाले में समस्या के कारण व समाधान देना होगा। जो स्वच्छ और हरित प्रौद्योगिकी, स्मार्ट शिक्षा, आपदा प्रबंधन, विरासत, संस्कृति, फिटनेस और खेल हैं। एसआईएच एक राष्ट्रव्यापी पहल है। इसका उद्देश्य छात्रों को दैनिक जीवन से जुड़ी गंभीर समस्याओं को हल करने के लिए मंच प्रदान करके नवाचार से समस्या का समाधान खोजने के लिए मानसिक संस्कृति विकसित करना है।

गोदड़ीवाला धाम में वर्सी महोत्सव की धूम

रायपुर। शहर के देवपुरी स्थित गोदड़ीवाला धाम में ब्रह्म स्वरूप संत बाबा गेलाराम साहब की वर्सी महोत्सव की धूम दूसरे दिन भी रही। समाज के लोग इसमें भारी तादाद में परिवार के साथ शामिल होने के लिए पहुंचे। दोपहर दो बजे निकाली गई भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा में लोग उत्साह के साथ शामिल हुए। शोभायात्रा ने आस-पास भ्रमण किया। इसमें ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी शामिल हुए। इसे सफल बनाने में हर किसी ने सहयोग भी दिया। इससे पहले दोपहर 12 बजे भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना में हर वर्ग के लोगों ने भाग लिया। झूलेलाल की मूर्ति का विसर्जन कमल विहार स्थित तालाब में किया गया। इसके बाद गोदड़ीवाला धाम में धार्मिक आयोजन का सिलसिला शुरू हुआ। सेवादार हरि इसरानी औ अमर गिदवानी ने श्रद्धालुओं को रहने और भोजन के साथ ही महोत्सव में स्वास्थ्य सेवा से जोड़ने में भी अहम भूमिका निभाई। सतीश और राज थोरानी ने बताया कि शाम 4 से साढे 5 बजे तक महिला मंडल द्वारा सत्संग का आयोजन किया गया। इसमें धर्म गुरुओं के द्वारा बताए गए रास्ते पर घर की जिम्मेदारी के साथ चलने के लिए बच्चों को प्रेरित करने का संदेश दिया गया। इसके बाद शाम साढे 6 बजे तक गोदड़ीवाला प्राथमिक पाठशाला में सांस्कृतिक आयोजन हुए। इसमें नशा मुक्ति से लोगों को बचने का संदेश भी दिया गया।

नुक्कड़ नाटक से दैनिक दिनचर्या में स्वच्छता लाने का संदेश

रायपुर। भारत सरकार द्वारा प्रायोजित स्वच्छ भारत मिशन, स्वच्छ एक्शन प्लान के तहत पर्यटक जागरुकता मिशन के अंतर्गत स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट के छात्रों के द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान नया बस स्टैंड में नाटक के माध्यम से घर, सड़क, आसपास क्षेत्र सहित सभी जगहों को कैसे स्वच्छ रखा जाय, स्वच्छता से बीमारियों से बचाव के साथ-साथ स्वच्छता के सभी फायदों की जानकारी आमजनों तक पहुंचाई गई। छात्रों ने झाडू लगाकर व कचरा उठाकर स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए लोगों से स्वच्छता को अपने दैनिक दिनचर्या में अमल में लाने का आग्रह किया। साथ ही 'स्वच्छता बनाए रखना नैतिक जिम्मेदारी और कर्त्तव्य है' के संबंध में भी लोगों को अवगत कराया। इस दौरान विवेक आचार्य प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड सह प्राचार्य होटल प्रबंधन संस्थान नवा रायपुर के निर्देशन में कार्य संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समीर मिश्र, प्रिया शर्मा, शिवानी श्रीवास्तव, बालेंद्र मिश्र, मनोज खरे, वेदांत श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

बंगाली समाज में आज तय होंगे दो साल के लिए पदाधिकारी

रायपुर। हर दो साल में शहर के सबसे पुराने श्री बंगाली कालीबाड़ी समिति के पदाधिकारियों के सामने भी चुनावी चुनौती रहती है। इस बार 2024 से 2026 तक के लिए नए लोगों को काम करने का अवसर देने के लिए समाज के तीन हजार सदस्यों में से 1191 लोगों ने मतदान किया। चुनाव संचालक राजेन्द्र कुमार बैनर्जी ने बताया कि 15 पदाधिकारियों का चुनाव परिणाम आना बाकी है। सोमवार को मतों की गिनती शुरू हुई। इसमें पहले क्रम में 7 प्रमुख पदाधिकारियों के लिए लोगों द्वारा की गई वोटिंग की गिनती जारी है। अभी की स्थिति में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ रहे तन्मय चटर्जी सबसे आगे हैं। संख्या बल की जादूगरी में उपाध्यक्ष के लिए सुशांत बोस भी टक्कर दे रहे हैं।

आज पता चलेगा विजेता कौन

समाज के लोग मतों की गिनती पर पैनी नजर रख रहे हैं। इस चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी व उनके सपोर्ट में चलने वाले भी शामिल हैं। सोमवार को संभावित जीत की घोषणा नहीं की गई है। क्योंकि, अभी गिनती का क्रम जारी है। इसमें सचिव के लिए पार्थ कुमार सरकार, उप सचिव के लिए गौरव चक्रवर्ती व श्रीमती ममता राय गिनती के क्रम में आगे हैं। कोषाध्यक्ष के लिए सुबीर सान्याल और शाला सचिव के लिए इस बार आलोग अच्छी दावेदारी पेश कर रहे हैं। मंगलवार को गिनती पूरी होने के बाद विजेता की घोषणा की जाएगी। अभी तक पहले क्रम के पदों पर चल रही उठापटक में हर वोट का वैल्यू है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इसमें समाज के प्रमुख सदस्यों ने वोट किया है। इस वजह से इस चुनाव परिणाम के मायने हैं। चुनाव संचालक श्री बैनर्जी ने बताया कि मंगलवार को प्रमुख पदों के लिए जारी गिनती पूरी होने पर रिजल्ट घोषित करेंगे। इसके बाद कार्यकारिणी के लिए दावा करते हुए चुनाव लड़ने वालों की गिनती शुरू होगी। प्रयास तो यही है कि शाम तक उनके भी परिणाम घोषित हो जाए। गिनती के लिए मौजूद दल भी पारदर्शिता रख रहा है।

समाज इवेंट

धुंधकारी कथा के प्रसंग से श्रद्धालु को श्रीमद्भागवत कथा का बताया महत्व

रायपुर। शिकारपुरी पंचायत धर्मशाला, समता कॉलोनी रायपुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा प्रसंग में वृंदावन से पधारे कथावाचक डॉ. संजय कृष्ण सलिल महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत के श्रवण करने से बड़े से बड़ा पापी भी तर जाता है। कथा का श्रवण ध्यानपूर्वक करना चाहिए। यह बात विभिन्न कथा प्रसंगों के दौरान सामने आई है। प्रथम दिवस श्रीमद् भागवत कथा के महत्व की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया किस प्रकार नारद जी ने महारानी भक्ति देवी के पुत्र ज्ञान और वैराग्य के सनकादिक ऋषियों के द्वारा भागवत कथा का श्रवण कराके दोनों पुत्रों का जीवन धन्य किया।

हर दिन पहुंच रहे भक्त

कथावाचक ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने से बड़े से बड़ा पापी भी तर जाता है। इस संदर्भ में उन्होंने गोकर्ण और धुंधकारी की कथा सुनाई । धुंधकारी महापापी अत्याचारी कुटिल, कामी था, मृत्यु के पश्चात भयंकर प्रेत बना, परंतु जब गोकर्ण जी ने भागवत कथा का श्रवण कराया तो वह पुनीत पवन और दिव्य पुरुष बनाकर स्वर्ग को चला जाता है। समता कालोनी में चल रहे कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण करने उपस्थित रहे।

कार्नर न्यूज

नियमित पार्सल बुक कराने वालों को डाक विभाग दे रहा पेकिंग की सुविधा

खुशखबरी... हमारा घरेलू उत्पाद जा रहा विदेश, ऑनलाइन बुकिंग कर हर महीने 100 से अधिक भेजा जा रहा पार्सल

रायपुर। शहर के उद्यमियों द्वारा घरों में तैयार किए गए प्रोडक्ट की पूछ-परख अब अमेरिका, यूके ही नहीं ऑस्ट्रेलिया, कनाडा जैसे देशों में भी है। इनके प्रोडक्ट को संबंधित लोगों तक पहुंचाने में डाक विभाग भी अहम भूमिका निभा रहा है। पहले कस्टम ड्यूटी के कारण उन्हें तैयार की गई सामग्री भेजने में कई तरह की दिक्कतें आती थीं। कस्टम प्रक्रिया में आने वाली दिक्कतें भी ऑनलाइन सॉल्व होने से लोग बुकिंग भी करवाने लगे हैं। विभाग द्वारा अगस्त से पहले विदेशों के लिए उद्यमियों के पार्सल जहां हर महीने 40 से 50 ही बुक होते थे, वहीं अब ऑनलाइन प्रक्रिया के चलते हर महीने 100 से 120 बुकिंग रायपुर के मुख्य डाकघर से होती है।

विदेशों से ऑनलाइन आर्डर

बांस, जूट से श्रृंगार के लिए गहने बनाने वाली शहर की शुभा मिश्रा ने बताया कि अमेरिका, यूके और कनाडा के लोग पारंपरिक गहने की मांग ऑनलाइन बल्क में करते हैं। इसे पहले जान-पहचान के लोगों से ही भेजना पड़ता था, क्योंकि कस्टम ड्यूटी के कारण कई तरह की दिक्कतें आती थीं। अब 100-200 सेट गहनों की बुकिंग आसान हो गई है। इससे घर में तैयार किए गए कंगन, बाली, नथनी, माला, हार आसानी से आर्डर देने वालों तक पहुंचता है। इससे आर्थिक समृद्धि के लिए बेहतर सुविधा मिल रही है।

कई देशों के लोग मंगा रहे

आउटर की पॉश कॉलोनी में रहने वाली पूजा भाटिया घर में ही होम मेड साबून और शैम्पू तैयार करती हैं। इनमें क्रीम के साथ ही बेबी सोप भी खास हैं। उन्होंने बताया कि इसे लोग ऑनलाइन बुकिंग करवाने के साथ उसका भुगतान करते हैं। अफगानिस्तान, अरूबा, ऑस्ट्रिया, बांग्लादेश और भूटान से लोग साबून व शैम्पू के साथ ही बेबी सोप की डिमांड करते हैं। विदेश में रहने वाले पहचान के लोगों पर निर्भरता खत्म हो गई है। 300 से ज्यादा सेट में अभी तक आर्डर मिला है। इसे निर्यात केन्द्र के माध्यम से ही भेजते हैं।

तुरंत सुलझ रही समस्या

पहले विदेशी पार्सल में दिक्कत आती थी। तब बुकिंग कराने वाले को क्लीयरेंस के लिए जहां पार्सल को एक्साइज ड्यूटी के चलते रोका जाता था, वहां जाना पड़ता था। अब विदेशी डाक सीमा शुल्क के साथ उत्पादों का कस्टम क्लीयरेंस सरल हो गया है। विभाग इसे बुकिंग के दौरान ही शार्टआउट करते हैं। बुक करने के साथ ही प्रोडक्ट का क्लीयरेंस ऑनलाइन होता है। अप्रूवल मिलने के बाद ही निर्यात केन्द्र पर पोस्टल बिल ऑफ एक्सपोर्ट के जरिए स्वीकृति मिलती है। इससे पैकेजिंग भी डाक काउंटर पर होता है।

ज्योतिष

घर में भूलकर भी इन जगहों पर न रखें पैसे, हो सकती हैं आर्थिक तंगी

वास्तु शास्त्र एक प्राचीन विज्ञान है, जिसका मूल उद्देश्य ऊर्जा का संतुलन बनाना है। इसमें दिशा, भवन निर्माण और धन रखरखाव के नियमों का उल्लेख है। वास्तु के इन नियमों का पालन करने पर व्यक्ति के धन-धान्य और सुख में वृद्धि होती हैं। आमतौर पर घर बनवाते समय इसके सिद्धांतों का ध्यान रखा जाता है, जो सभी ग्रह दोष समाप्त करता है।

हिंदू धर्म में वास्तु शास्त्र को बेहद महत्वपूर्ण विद्या माना गया है, इसके आधार पर धन राशि रखने से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है। वास्तु के मुताबिक पूर्व दिशा उगते हुए सूरज की दिशा है, इस दिशा में पैसे रखने से व्यक्ति के धन में वृद्धि होती रहती है। दक्षिण-पश्चिम दिशा में पैसे रखने से बचना चाहिए। यह यम की दिशा है, यहां पैसे रखने से घर में दरिद्रता आती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि किन स्थानों पर पैसे नहीं रखने चाहिए।

ऐसी तिजोरी में न रखें धन : यदि आपकी तिजोरी अंधेरे में हैं, तो कभी भी यहां पैसे न रखें। वास्तु के अनुसार इस स्थान पर धन रखने से वास्तु दोष लग सकता है। आप चाहें, तो तिजोरी को घर की उत्तर दिशा में रखकर वहां पैसे रख सकते हैं।

दीवार के पास न रखें : वास्तु के अनुसार ऐसे स्थानों पर पैसे नहीं रखने चाहिए, जिसकी दीवार बाथरूम से जुड़ी हो। इन स्थानों पर धन रखने से परिवार में नकारात्मकता का वास होता है, साथ ही कार्यों में रुकावट आने लगती हैं।

उपहार में मिली चीजों के साथ : वास्तु के अनुसार उपहार में मिली चीजे जैसे, बॉक्स, ज्वेलरी और घड़ी आदि के साथ पैसों को नहीं रखना चाहिए। इससे आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है।

ऐसे में पर्स में नहीं रखने चाहिए पैसे : आमतौर पर कुछ लोग पर्स में चाबी और चाकू रखते हैं। इस दौरान वह इस पर्स में कुछ पैसे भी रखते हैं, जो रखना उचित नहीं हैं। वास्तु के अनुसार ऐसे बैग में धन रखने से आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। वास्तु के अनुसार पुरानी पर्चियों और बिल के साथ कभी भी पैसे नहीं रखने चाहिए। इससे घर में पैसों का रुकना मुश्किल होता है।

रसोई घर बनवाते समय भूलकर भी न करें ये 5 गलतियां, परिजनों की खुशियों पर लग सकता है ग्रहण

फेंगशुई यानी चीनी वास्तु-शास्त्र, हमारे घरों में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देने और नकारात्मक ऊर्जा को कम करने का एक शक्तिशाली तरीका है। माना जाता है कि हमारे घर का प्रत्येक कोना हमारे जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करता है। रसोई, घर का दिल माना जाता है। यहां हम भोजन बनाते हैं, जो हमारे शरीर और मन को पोषण देता है। इसलिए, रसोई को सही दिशा और ढंग से बनाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। फेंगशुई के अनुसार, रसोई को इस प्रकार डिजाइन किया जाना चाहिए कि यह सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करे और समृद्धि और स्वास्थ्य को बढ़ावा दे।

इस दिशा में न बनवाएं रसोई घर : घर के दक्षिण-पश्चिम दिशा में भूलकर भी रसोई घर नहीं बनवाना चाहिए। फेंगशुई के अनुसार, दक्षिण-पूर्व या पूर्व दोनों ही दिशाएं अग्नि तत्व से जुड़ी हैं और रसोई के लिए सबसे उपयुक्त मानी जाती हैं। इन दिशाओं में रसोई होने से घर में समृद्धि और स्वास्थ्य बढ़ता है। अन्य दिशाओं में रसोई होने से कुछ समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए, रसोई की दिशा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

रसोई घर का दरवाजा : रसोई का दरवाजा कभी भी मुख्य द्वार के सामने नहीं होना चाहिए। ऐसा करने से घर में दरिद्रता आती है। दरवाजे का रंग पीला या नारंगी होना शुभ माना जाता है। ये रंग धन और समृद्धि को आकर्षित करते हैं।

चूल्हे की दिशा : रसोई घर बनवाते समय हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि चूल्हा रखने की दिशा दक्षिण-पूर्व में होना चाहिए। यह दिशा अग्नि तत्व से जुड़ी हुई है और चूल्हा आग का प्रतीक है।साथ ही इस बात की भी ध्यान रखें कि चूल्हा और सिंक एक-दूसरे के सामने हो। ऐसा करने से परिवार में कलह की आशंका बढ़ जाती है।

सिंक की दिशा : सिंक को उत्तर दिशा में रखना शुभ माना जाता है। दक्षिण दिशा में सिंक रखने से बचना चाहिए क्योंकि दक्षिण दिशा अग्नि तत्व से जुड़ी हुई है और अग्नि और जल का संयोजन शुभ नहीं माना जाता है।

हाथ-पैरों की उंगलियों में ठंड लगने से सूजन, लालिमा और खुजली की शिकायत होने लगती है

सर्दियों में ठंड से क्यों सूज जाती हैं पैरों की उंगलियां? राहत देंगे ये टिप्स

सर्दियों का मौसम भीषण गर्मी से तो राहत देता है लेकिन अपने साथ सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्याएं भी साथ लेकर आता है। इस मौसम में लोगों को सबसे ज्यादा हाथ-पैरों की उंगलियों में ठंड लगने से सूजन, लालिमा और खुजली की शिकायत होने लगती है। इस समस्या को अंग्रेजी में पेर्नियो या चिल बर्न्स के नाम से भी जाना जाता है। दरअसल, चिलब्लेन्स, त्वचा पर होने वाली एक ऐसी समस्या है, जिसमें ठंडे तापमान के संपर्क में आने के बाद दर्दनाक, सूजन वाले लाल पैच बन जाते हैं। पुरुषों की तुलना में महिलाएं इस समस्या की शिकार अधिक होती हैं। यह स्थिति आमतौर पर व्यक्ति के पैरों या हाथों को प्रभावित करती है। जो लंबे समय तक ठंडे तापमान के संपर्क में रहने से होती है।

गर्म मोजे

सर्दियों में पैरों को गर्म रखने के लिए वूलन मोजे पहनें। ऊनी मोजे ना सिर्फ पैरों को गर्म रखते हैं बल्कि पसीना सोखने में भी मदद करते हैं। इसके अलावा ठंड में पहनने के लिए सही जूतों का इस्तेमाल करें। जूतों की फिटिंग सही ना होने पर पैरों में खून का संचार प्रभावित हो सकता है, जिससे सूजन और खुजली की समस्या हो सकती है।

नमक के पानी से सिंकाई

गर्म पानी में थोड़ा सा नमक डालकर उससे अपने हाथ और पैरों की सिंकाई करें।

गर्म तेल

कैलामाइन लोशन या गर्म तेल लगाने से खुजली और सूजन से राहत मिल सकती है।

खुजली करने के लिए नाखून की जगह कपड़े का यूज करें

यदि खुजली की समस्या हो रही है तो आप नाखून की जगह कपड़े का इस्तेमाल करें। पैच वाली जगह को हल्के हल्के सहलाएं। खुजलाने से इन्फेक्शन और ज्यादा गंभीर हो सकता है। ऐसे में खुजली से राहत पाने के लिए क्रीम या तेल की मदद लें।

डॉक्टर से संपर्क

समस्या बढ़ने पर आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

चिलब्लेन्स के लक्षण

- स्किन में सूजन
- त्वचा में बर्निंग सेंसेशन
- दर्द के साथ त्वचा का रंग लाल से डार्क ब्लू हो जाना
- पैरों और हाथों की त्वचा पर छोटे और लाल खुजली वाले पैचेज

चिलब्लेन्स के कारण

- ठंडे मौसम में ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होने से त्वचा संवेदनशील हो जाती है। जिससे चिलब्लेन की समस्या हो सकती है।
- सर्दियों में टाइट कपड़े या जूते पहनने से भी चिलब्लेन की समस्या हो सकती है।
- जिन लोगों का वजन कम होता है, उनमें भी चिलब्लेन होने का जोखिम अधिक रहता है।
- ठंडी हवा के संपर्क में ज्यादा रहने से भी चिलब्लेन होने का जोखिम अधिक बना रहता है।

रोज खाते हैं चावल तो बढ़ सकता है इन 5 गंभीर बीमारियों का खतरा

भारतीय खानपान की यदि बात की जाए तो मोटे तौर पर ऐसी दो ही चीजें हैं जिनका सेवन लगभग रोज ही किया जाता है, वो हैं गेहूं और चावल। हमारे भोजन में प्रमुखता से गर्म-गर्म रोटियां और चावल शामिल होते हैं। कुछ लोगों को रोटियां खाना ज्यादा पसंद होता है तो वहीं कुछ लोग चावल खाने के इतने आदी होते हैं कि बिना चावल खाए उनका पेट ही नहीं भरता। अब कोई भी चीज ज्यादा मात्रा में खाना अच्छा नहीं होता इसलिए अगर आप रोजाना चावल खाते हैं, तो आपको इससे होने वाले साइड इफेक्ट्स के बारे में भी जरूर पता होना चाहिए। आज हम आपको ऐसी बीमारियों के बारे में बताने वाले हैं, जिनका खतरा ज्यादा चावल खाने की वजह से बढ़ सकता है।

बढ़ सकता है डायबिटीज का खतरा

शुगर के मरीजों की डाइट में चावल बहुत ही कम मात्रा में शामिल किया जाता है। कई बार तो उन्हें चावल से परहेज की भी सलाह दी जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि चावल का ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी हाई होता है, जिसकी वजह से चावल खाते ही ब्लड शुगर लेवल काफी तेजी से इंक्रीज होता है। ऐसे में सिर्फ शुगर के मरीजों को ही नहीं बल्कि आमतौर पर सभी को ज्यादा चावल का सेवन करने से बचना चाहिए।

शरीर में बढ़ सकती है ओबेसिटी

रोजाना खाए जाने वाले व्हाइट राइस में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा बहुत ही ज्यादा होती है। ऐसे में अगर आप रोजाना भर-भर के चावल खा रहे हैं, तो ये आपके शरीर में चर्बी और मोटापा बढ़ा सकता है। इसके अलावा चावल खाने के कुछ देर बाद ही तेजी से भूख लगने लगती है जिसकी वजह से ओवरइटिंग की समस्या भी बढ़ जाती है। ऐसे में अगर आप अपने वजन को कंट्रोल में रखना चाहते हैं या वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो चावल कम मात्रा में ही खाएं।

चाय के साथ कभी नहीं खाना चाहिए ये पांच चीजें, पेट की समस्या कर देगी परेशान

भारत में चाय सामान्य पेय है जो अधिकतर लोग पीना पसंद करते हैं। लोग अपने दिन की शुरुआत चाय से करते हैं। वहीं सर्दियों में गर्मागर्म चाय का स्वाद ही अलग लगता है। ये शरीर को गर्माहट देती है और थकान को कम करती है । हा लां कि चाय का सेवन सही तरीके से करना चाहिए। चाय से सेहत को नुकसान भी हो सकता है। जैसे दूध की चाय पेट के लिए समस्या करती है। चाय में चीनी की मात्रा भी कम रखें। चाय को अधिक उबालकर काढ़ा न बनाएं। इसके अलावा चाय पीने का सही समय सुबह उठने के दो घंटे के बाद या नाश्ते के एक घंटे बाद है।

चाय के सही तरीके से सेवन के साथ कुछ चीजों के साथ खाना चाहिए। दूध वाली चाय पीने से आपको पेट में एसिडिटी, एसिड बनने, अपच और भूख न लगने की समस्या हो सकती है। चाय के साथ कुछ चीजों का सेवन भूल से भी नहीं करना चाहिए। कुछ चीजों को चाय के साथ खाने से अपच, गैस की समस्या हो सकती है, साथ ही कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की यह वजह बन सकती है। आइए जानते हैं चाय के साथ किन चीजों का सेवन नहीं किया जाना चाहिए।

खट्टे फलों का सेवन

नींबू, संतरा, अंगूर आदि फल चाय के साथ कभी न खाएं। चाय में मौजूद टैनिन और खट्टी चीजों में मौजूद सिट्रिक एसिड मिलकर पेट में एसिडिटी बढ़ा देते हैं। इससे सीने में जलन, अपच और आंतों में परेशानी हो सकती है। चाय के साथ फ्रूट चाट न खाएं।

20 की उम्र से बना लें ये आदतें तो किडनी की बीमारियां रहेंगी दूर, इन तीन बातों का रखें ध्यान

लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी के कारण दुनियाभर में कई प्रकार की बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। डायबिटीज और हार्ट की समस्या के बाद शरीर के जिन अंगों को सबसे ज्यादा प्रभावित पाया जा रहा है, उनमें किडनी और लिवर की बीमारियां सबसे ज्यादा हैं। डायबिटीज और उच्च रक्तचाप को क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) का सबसे आम कारण माना जाता है। जिस तरह से कम उम्र के लोग भी डायबिटीज और ब्लड प्रेशर का शिकार हो रहे हैं उसने 30 से पहले की आयु में किडनी की बीमारियों के विकसित होने का खतरा भी काफी बढ़ा दिया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, किडनी की बीमारियों के कारण स्वास्थ्य क्षेत्र पर अतिरिक्त दबाव बढ़ता जा रहा है, इसलिए 20 की उम्र से ही कुछ आदतें बना लेना सभी के लिए जरूरी है। सक्रिय जीवनशैली और पौष्टिक आहार के सेवन से किडनी की समस्याओं को रोकने में मदद मिल सकती है।

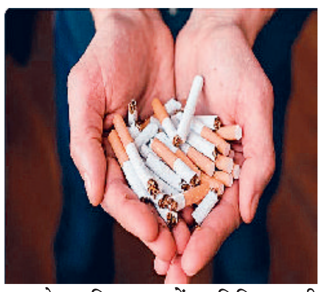

बहुत महत्वपूर्ण है किडनी की सेहत : हमारी किडनी मुट्ठी के आकार का अंग हैं जो पसलियों के नीचे और रीढ़ की हड्डी के दोनों तरफ स्थित होती हैं। किडनी हमारे रक्त से अपशिष्ट उत्पादों, अतिरिक्त पानी और अन्य अशुद्धियों को छानती है, जिससे रक्त साफ रहता है। ये अपशिष्ट उत्पाद आपके मूत्राशय में जमा हो जाते हैं और बाद में मूत्र के माध्यम से बाहर निकल जाते हैं। इसके अलावा, किडनी हमारे शरीर में पीएच, सोडियम और पोटेशियम के स्तर को नियंत्रित करने का भी काम करती है। यही कारण है कि किडनी को स्वस्थ्य को बनाए रखना आपके समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

ब्लड प्रेशर और शुगर को करें कंट्रोल : ब्लड प्रेशर और शुगर दोनों का बढ़ना सेहत के लिए बहुत हानिकारक है। इससे किडनी डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है। जब आपके शरीर की कोशिकाएं रक्त में मौजूद ग्लूकोज (शर्करा) का उपयोग नहीं कर पाती हैं, तो किडनी को रक्त छानने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इसी तरह से हाई ब्लड प्रेशर भी किडनी की क्षति का कारण बन सकता है। किडनी को स्वस्थ और रोग मुक्त रखने के लिए कम उम्र से ही ब्लड प्रेशर और शुगर को कंट्रोल रखना जरूरी है।

संतुलित आहार का करें सेवन

संतुलित और पौष्टिक आहार का सेवन किडनी और शरीर के सभी अंगों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। सोडियम, प्रोसेस्ड मीट जैसी चीजें किडनी को नुकसान पहुंचाती हैं। हरी सब्जियां-फल, साबुत अनाज का सेवन करें। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए सबसे जरूरी है भरपूर मात्रा में पानी पीते रहना। पानी पीते रहने से किडनी स्वस्थ रहती है। ताजी चीजों को आहार में अधिक शामिल करें जिसमें स्वाभाविक रूप से सोडियम कम हो- जैसे कि फूलगोभी, ब्लूबेरी, मछली, साबुत अनाज।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

हॉलीवुड की इस खूबसूरत अभिनेत्री के साथ नजर आए रणबीर

रणबीर कपूर ने रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपनी उपस्थिति से सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान उनके स्टाइलिश अंदाज और ओलिविया वाइल्ड के साथ उनकी मुलाकात ने खूब सुर्खियां बटोरी। बॉलीवुड के सुपरस्टार रणबीर कपूर हाल ही में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शिरकत करने पहुंचे। यहां उन्होंने अपने आकर्षक अंदाज से सबका ध्यान खींचा। इस इवेंट में रणबीर ने अकेले ही रेड कार्पेट पर कदम रखा, लेकिन वहां उनकी मुलाकात हॉलीवुड अभिनेत्री और निर्देशक ओलिविया वाइल्ड से हो गई। रणबीर ने इस कार्यक्रम के लिए चमकता हुआ लाल एथनिक सूट और स्टाइलिश चश्मा पहना था। कार्यक्रम में पहुंचने के बाद उन्हें फैंस से मिलते हुए और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाते हुए देखा गया। रणबीर अपने फैंस के लिए ऑटोग्राफ भी देते दिखे। जब रणबीर प्रेस के लिए फोटो खिंचाने के लिए खड़े थे, तभी ओलिविया वाइल्ड ने उनसे मुलाकात की। ओलिविया सफेद ऑफ-शोल्डर गाउन और गोल्ड ब्रेसलेट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। दोनों ने कुछ समय एक-दूसरे से बातचीत की और फिर रेड कार्पेट पर साथ चलकर पोज दिए। इस दौरान दोनों सितारे एक-दूसरे के करीब खड़े होकर मुस्कुराते हुए कैमरे के सामने पोज देते दिखे। रणबीर कपूर इस फेस्टिवल में भाग लेने वाले चुनिंदा भारतीय कलाकारों में से एक थे।

टॉलीवुड

करियर से ब्रेक लेने की खबरों के बीच 'सूर्या 45' से बाहर हुए एआर रहमान

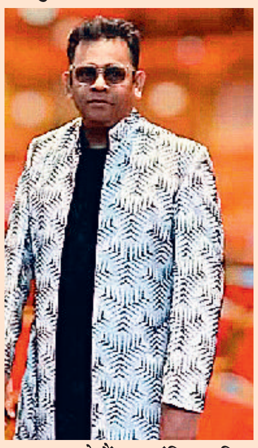

एआर रहमान को आरजे बालाजी के साथ सूर्या की आगामी फिल्म के संगीतकार के रूप में बदल दिया गया है, जिसका अस्थायी शीर्षक सूर्या 45 है। आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सूर्या 45' की शूटिंग वर्तमान में कोयंबटूर और आसपास के इलाकों में हो रही है और निर्माता प्रशंसकों को जोड़े रखने के लिए फिल्म से नियमित अपडेट साझा कर रहे हैं। हालांकि, हालिया अपडेट से पता चला है कि एआर रहमान ने इस परियोजना से हाथ खींच लिए हैं, क्योंकि संगीतकार का नाम 'सूर्या 45' के पोस्टर से गायब था। दरअसल, एआर रहमान को आरजे बालाजी के साथ सूर्या की आगामी फिल्म के संगीतकार के रूप में बदल दिया गया है, जिसका अस्थायी शीर्षक सूर्या 45 है। फिल्म को शुरू में संगीतकार के रूप में एआर रहमान के साथ लॉन्च किया गया था। हालांकि, हाल ही में, निर्माताओं ने एक पोस्टर जारी किया, जिसमें साई अभ्यंकर को नए संगीतकार के रूप में फिल्म की टीम में शामिल करने की जानकारी दी गई। निर्माताओं संगीतकार का स्वागत करने के लिए पोस्टर आधिकारिक रूप से साझा किया है। सूर्या की फिल्म के पोस्टर से यह भी पता चला कि जीके विष्णु, जो एटली के साथ सहयोग के लिए जाने जाते हैं, वह भी इस फिल्म पर काम करेंगे। गायक टीपू और हरिनी के बेटे साई अभ्यंकर एक युवा गायक और संगीतकार हैं।

भोजपुरी

रितेश पांडेय के गाने 'हैलो कौन' ने रचा इतिहास, व्यूज एक बिलियन के हो गए पार

भोजपुरी सिने जगत में एक से बढ़ कर एक दिग्गज हैं, लेकिन सुपर स्टार रितेश पांडेय ने उन सबको पीछे छोड़ते हुए एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वे भोजपुरी के पहले ऐसे सिंगर बन गए हैं, जिनका गाना ₹हैलो कौनर₹ को 1 बिलियन से भी ज्याजा लोगों ने देख लिया है। इस गाने को यूट्यूब पर एक बिलियन से ज्यादा व्यूज़ मिल चुके हैं, जो भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री के लिए एक अनमोल उपलब्धि है। गाना रिद्धि म्यूजिक वर्ल्ड से रिलीज हुआ था और इसके गीतकार और संगीतकार आशीष वर्मा हैं। गाने के निर्देशक सोनू वर्मा और आशीष यादव हैं, जिन्होंने इस गाने को अपने बेहतरीन निर्देशन से नया मुकाम दिया है। 'हैलो कौन' गाने को रिलीज हुए बहुत समय हो चुका है, लेकिन यह गाना अभी भी दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाए हुए है। इस गाने को रिद्धि म्यूजिक वर्ल्ड पर 4 मिलियन से ज्यादा लाइक्स भी मिल चुके हैं, जो इसके सफलता का स्पष्ट संकेत है। यह गाना अब भोजपुरी सिनेमा के सबसे सफल गानों में शुमार हो चुका है और यह भोजपुरी म्यूजिक के इतिहास में एक अनब्रेकेबल रिकॉर्ड बना चुका है। रितेश पांडेय ने इस सफलता के लिए अपने फैंस और श्रोताओं का धन्यवाद दिया और कहा कि यह गाना सिर्फ उनकी मेहनत का फल नहीं, बल्कि उनके दर्शकों का प्यार और समर्थन भी है। इसके साथ ही उन्होंने अपने साथियों, संगीतकार आशीष वर्मा और निर्देशक सोनू वर्मा का भी आभार व्यक्त किया. पीआरओ रंजन सिन्हा ने भी इस गाने की सफलता को लेकर खुशी जताई और बताया कि यह गाना भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री के लिए एक नई ऊंचाई तक पहुंचा है। यह गाना आज भी लोगों के बीच बेहद पॉपुलर है, और इसकी सफलता से रितेश पांडेय और स्नेह उपाध्याय के फैंस को एक और शानदार अनुभव मिला है।

लाइफ स्टाइल

क्रिसमस की पार्टी के लिए इस तरह हों तैयार

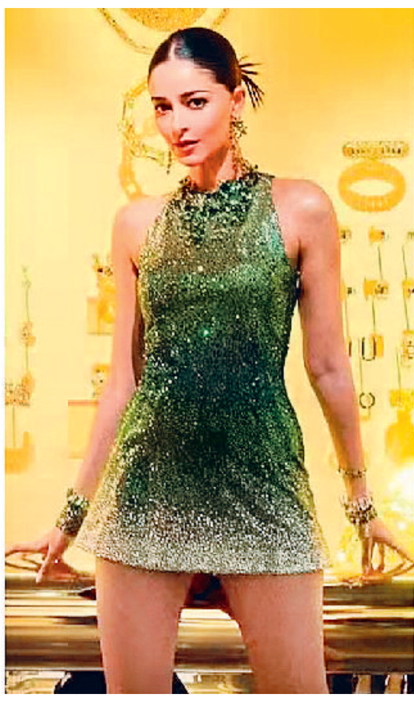

बॉलीवुड की कई हसीनाएं फैशन इंस्पिरेशन के मामले में परफेक्ट हैं। ऐसे में आप क्रिसमस पार्टी के लिए इन अभिनेत्रियों के लुक्स से टिप्स ले सकती हैं। क्रिसमस पर ज्यादातर लाल रंग की ड्रेस ही पहनी जाती है। ऐसे में आप सुहाना खान की तरह लाल रंग का बॉडीकॉन गाउन कैरी कर सकती हैं। सीक्विन वर्क वाला ऐसा गाउन आपको ग्लैमरस लुक देने का काम करेगा। इसके साथ अपने बालों को वेवी कर्ल करके खुला रख सकती हैं। पार्टियों में सीक्विन वर्क वाला आउटफिट आपके लुक में चांद लगाने का काम करेगा।

बालों की देखभाल के काम आ सकते हैं अमरूद के पत्ते, जानें इनके इस्तेमाल का तरीका

अमरूद के पत्ते बालों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं क्योंकि इनमें एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन बी, और विटामिन सी जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो बालों को मजबूत बनाते हैं। खराब खान-पान और लगातार बढ़ते प्रदूषण की वजह से आजकल हर कोई झड़ते बालों से परेशान है। बहुत से लोगों के साथ तो ये समस्या इस कदर बढ़ गई है कि यदि वो बालों में एक बार भी कंघी फिराते हैं तो काफी सारे बाल हाथ में आ जाते हैं। इस हेयर फॉल को रोकने के लिए लोग बाजार में मिलने वाले हेयर केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। ये प्रोडक्ट असरदार तो होते हैं, लेकिन आप जैसे ही इनका इस्तेमाल बंद कर देते हैं, इनका असर खत्म हो जाता है। ऐसे में ज्यादातर लोग घरेलू नुस्खों पर भरोसा करते हैं। यदि आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, जिन्हें घरेलू नुस्खों पर भरोसा है तो हम यहां हेयर फॉल रोकने का एक सीक्रेट बताने जा रहे हैं। दरअसल, आप अमरूद के पत्तों के इस्तेमाल से न सिर्फ बालों का झड़ना रोक सकते हैं, बल्कि ये आपके बालों को चमकदार बनाने में भी मदद करता है।

पहला तरीका

इस पहले तरीके से अमरूद की पत्तियों का इस्तेमाल करने के लिए आपको 10 से 15 अमरूद के ताजा पत्ते चाहिए होंगे। इसके साथ ही आपको इसके लिए एक लीटर पानी की जरूरत भी पड़ेगी।

इस्तेमाल का तरीका

इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले एक पैन में पानी लें और उसमें अमरूद के पत्ते डालें। अब इसे 20 मिनट तक धीमी आंच पर उबालें। जब पानी ठंडा हो जाए, इसे छानकर एक बर्तन में रखें। बालों को शैंपू से धोने के बाद इस पानी से बालों को धोएं। इसे 30 मिनट तक बालों में रखें और फिर सादे पानी से धो लें। ये मिश्रण बालों को चमकदार बनाता है और उन्हें झड़ने से रोकता भी है।

दूसरा तरीका

इसके इस्तेमाल का दूसरा तरीका है हेयर मास्क तैयार करना। अमरूद की पत्तियों से हेयर मास्क बनाने के लिए आपको पत्तियों के साथ-साथ नारियल तेल या जैतून का तेल चाहिए होगा।

इस्तेमाल का तरीका

इसके लिए ताजा अमरूद की पत्तियों को पीसकर पेस्ट बना लें। अब इसमें नारियल तेल मिलाएं। इस पेस्ट को स्कैल्प पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। इसे 1 घंटे के लिए छोड़ दें और फिर माइल्ड शैंपू से धो लें। ये मास्क आपके बालों को घना बनाएगा।

सर्दी में साड़ी पहनकर दिखना है खूबसूरत तो यूं करें कैरी, नहीं लगेगी ठंड

फैशन

सर्दियों में स्टाइलिश दिखने के तमाम मौके मिलते हैं। पर, इस मौसम में जब साड़ी पहनने की बात आती है, तो तबीयत नासाज होने के डर से हारकर अपनी स्टाइलिंग एक किनारे रखते हुए कार्डिगन या शॉल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में आपकी हजारों की साड़ी अपने साथ नाइंसाफी तो महसूस करेगी ही। लेकिन अगर आप बड़े अरमान से खरीदी साड़ी को इंसाफ दिलाना चाहती हैं तो स्टाइलिंग के सही तरीकों को अपनाना शुरू करें। अगर आप ऐसा कर लेती हैं तो यकीन मानिए, दिसंबर की ठिठुरती सर्दी में भी आप अपनी साड़ी की खूबसूरती को निखारने में पीछे नहीं रहेंगी और लोग आपकी स्टाइलिंग की चर्चा किए बिना नहीं रह पाएंगे।

ब्लाउज चुनें समझदारी से : साड़ी में कमर और ऊपर के बदन पर ज्यादा ठंड लगती है, इसलिए आपको सबसे पहले सही ब्लाउज चुनने की जरूरत है। साड़ी के साथ आए ब्लाउज को आप अन्य मौसम के लिए रखें। सर्दियों के लिए खास तरह के ब्लाउज बनवाएं, जो आपको गर्मी तो दे ही, साथ ही आपकी लाजवाब साड़ियों को और भी खूबसूरत बना दें। इसके लिए शनील, वेलवेट जैसे कपड़ों का चुनाव करें। इनसे पूरी आस्तीन और लंबे दामन वाले ब्लाउज बनवाएं। आप चाहें तो प्रिंट वाले कपड़े चुन सकती हैं या अपनी साड़ी से मेल खाती कढ़ाई या वर्क ब्लाउज में करवा सकती हैं।

इनरवियर को न करें नजरअंदाज : आपने ऊपर से कितना भी गर्म कपड़ा पहना हो, लेकिन भीतर की मजबूती को आप नजरअंदाज नहीं कर सकतीं, इसलिए साड़ी के नीचे गर्म लैंगग पहनना न भूलें। पेटीकोट को पैरों के बीच में आने से रोकने के लिए फिटिंग वाले पेटीकोट पहनें। इसी तरह ब्लाउज के नीचे भी ब्लाउज के आकार वाले गर्म इनरवियर पहनें।

साड़ी का चुनाव हो सही : सर्दियों में साड़ी में गर्माहट महसूस करने के लिए आपको साड़ी भी समझदारी से चुननी होगी। इस मौसम में वेलवेट की साड़ी, जरीदार काम वाली बनारसी साड़ी, सिल्क साड़ी पहन सकती हैं। इसके अलावा बाजार में आपको वुलेन साड़ियां भी मिल जाएंगी। कश्मीरी कढ़ाई और सेल्फ वर्क वाली साड़ियां, वेलवेट की रफेल साड़ी, चिनोन सिल्क साड़ी, बुनाई वाली ऊनी साड़ी आपको हर मौके पर बेहद स्टाइलिश दिखा सकती हैं।

करें लेयरिंग : साड़ी के ऊपर कार्डिगन या कोट पहनने से साड़ी का पूरा लुक खत्म हो जाता है। सही लेयरिंग करके साड़ी को स्टाइलिश बना सकती हैं। ऐसे में ओपन लुक अपनाएं और लेयरिंग के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ओवरकोट या केप को आगे से खुला रखें।

मलाई में मिलाकर चेहरे पर लगाएं ये चीज, खत्म हो जाएगा त्वचा का रूखापन

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही लोग अपनी त्वचा के रूखेपन से काफी परेशान हो जाते हैं। कई बार तो ये रूखापन इस कदर बढ़ जाता है कि त्वचा फटने लगती है और इनसे खून तक निकलने लगता है। ऐसे में हर कोई त्वचा का ध्यान रखने के लिए बाजार में मिलने वाले बॉडी लोशन और कोल्ड क्रीम का इस्तेमाल करता है। इनके इस्तेमाल से त्वचा कुछ देर के लिए हाइड्रेट हो जाती है। पर, यदि आप अपनी त्वचा को आंतरिक रूप से हाइड्रेट करना चाहते हैं तो उसके लिए मलाई का इस्तेमाल करें। मलाई में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा में अंदर से नमी पहुंचाते हैं। इसका इस्तेमाल चेहरे से लेकर हाथ-पैरों में भी किया जा सकता है। यहां हम आपको दो तरह से मलाई का इस्तेमाल करना सिखाएंगे, ताकि आप भी आसान तरीके से इसका लाभ उठा सकें।

मलाई और शहद

मलाई और शहद को मिलाकर यदि चेहरे पर लगाना जाएगा तो इससे न सिर्फ आपकी त्वचा की नमी बरकरार रहेगी, बल्कि साथ ही में ये त्वचा की प्राकृतिक चमक को बरकरार रखेगा। इसके इस्तेमाल के लिए 1 चम्मच मलाई में 1 चम्मच शहद मिलाएं। अब इसे चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट बाद धो लें। कुछ दिन ही इसके इस्तेमाल से आपको असर दिखने लगेगा।

मलाई और बेसन

मलाई और बेसन त्वचा की डेड स्किन को हटाता है, जिस वजह से त्वचा खिल उठती है। डेड स्किन हटने की वजह से त्वचा को ज्यादा नमी मिलती है। इसके इस्तेमाल के लिए आपको सिर्फ 1 चम्मच मलाई में 1 चम्मच बेसन मिलाएं। अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट बाद हल्के हाथों से रगड़कर धो लें।

बिना मस्कारा लगाए ही पलकें दिखेंगी लंबी-घनी और खूबसूरत, जान लें ये कमाल के ब्यूटी हैक्स

खूबसूरत आंखे किसी की भी सुंदरता में चार चांद लगाने का काम करती हैं। यही वजह है कि आंखों के मेकअप को बहुत ज्यादा इंपॉर्टेंस और टाइम दिया जाता है। इस दौरान पलकों को लंबी-घनी और खूबसूरत दिखाने के लिए आमतौर पर मस्कारे या फेक आइलैशेज का इस्तेमाल होता है।

हालांकि रोजाना के मेकअप के लिए तो मस्कारा ही ज्यादा यूज किया जाता है। तरह-तरह के केमिकल्स से भरपूर मस्कारे का ज्यादा इस्तेमाल आई लैशेज को थिन कर सकता है, साथ ही कई बार लोकल क्वालिटी का मस्कारा आंखों के लिए भी डैमेजिंग हो सकता है। ऐसे में बेहतर यही है कि आप इसे रोजाना बिल्कुल भी ना इस्तेमाल करें।

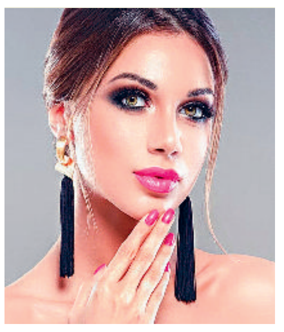

पेट्रोलियम जेली का करें इस्तेमाल: बिना मस्कारे के अपनी आई लैशेज को लंबा-घना और खूबसूरत दिखाना चाहती हैं, तो आपकी स्किनकेयर किट में रखा वेसलिन आपकी खूब मदद कर सकता है। इसके लिए बस अपने किसी पुराने मस्कारे के ब्रश को लें और उसपर पेट्रोलियम जेली अप्लाई कर दें। अब इसे अपनी पलकों पर ठीक उसी तरह लगाएं जैसे आप मस्कारा लगाती हैं। आप देखेंगी कि बिना मस्कारा लगाए ही आपकी पलकें पहले से ज्यादा शाइनी और लॉन्ग हो जाएंगी। अगर आप नेचुरली अपनी पलकों को ग्रो करना चाहती हैं, तो रोज रात में सोने से पहले भी ये प्रॉसेस कर सकती हैं।

ऑलिव ऑयल या कैस्टर ऑयल का करें इस्तेमाल : अपनी पलकों को थोड़ा लिफ्ट करने और लंबा-घना दिखाने के लिए आप ऑलिव ऑयल या कैस्टर ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इंस्टेंट रिजल्ट के लिए किसी क्लीन मस्कारा ब्रश या अपनी उंगलियों पर ही थोड़ा सा ऑयल लें। अब इसे अपनी पलकों पर लगाते हुए उन्हें ऊपर की तरह लिफ्ट करें। ऐसा करने से आपकी पलकें शाइनी और अपलिफ्ट दिखेंगी। हालांकि ऑयल की क्वांटिटी बहुत ही कम रखें वरना ये आपका मेकअप लुक बिगाड़ सकता है। वहीं अगर आपको परमानेंट तौर पर लंबी घनी आई लैशेज चाहिए तो रोजाना सोने से पहले आप ये रूटीन अपना सकती हैं।

कार्नर न्यूज

गुनगुनी गर्माहट और लुक को भी दिलचस्प और आकर्षक बनाने का काम करती हैं

युवाओं के बीच लौटा हाथ से बुने स्वेटर का ट्रेंड स्टाइलिश लुक के साथ सेहत को भी फायदा

सर्दियां आ चुकी हैं और आपने भी अपर्ना विंटर वॉर्डरोब तैयार कर लिया होगा। वैसे देखा जाए तो सर्दियों का मौसम सबसे स्टाइलिश मौसम होता है। फैशनेबल जैकेट, स्टाइलिश कोट और ट्रेंडी मफलर जैसी चीजें ना केवल गुनगुनी गर्माहट देती हैं, बल्कि लुक को भी दिलचस्प और आकर्षक बनाने का काम करती हैं। लेकिन पहले के जमाने में ऐसा नहीं होता था। तब घर की महिलाओं के लिए सर्दियों का मतलब घर का काम निबटा कर धूप में बैठकर मटर छीलना और गर्मागर्म मूंगफली खाते हुए चकल्लस करना होता था। इन सबके अलावा एक चीज जो समान रूप से सभी घरों की महिलाओं के हाथों में दिखती थी, वो होती थी ऊन-सिलाई, क्योंकि उस समय रेडीमेड स्वेटर चलन में नहीं थे।

ममता भरी गर्माहट

हमारी देसी संस्कृति में हाथ से बुने स्वेटर महज सर्दी से बचाव का एक साधन नहीं है, बल्कि भरा-पूरा इमोशन है। पूर्वी दिल्ली में रहने वाली अस्सी वर्षीय कुसुम शर्मा अपने इलाके में अपने स्वेटरों के आकर्षक डिजाइनों के लिए बहुत मशहूर हैं। पुराने दिन याद करते हुए वे बताती हैं, 'साठ और सत्तर के दशक में अच्छी बुनाई आना लड़कियों का गुण माना जाता था।

नए फैशन पर भारी

फैशन ट्रेंड्स की सबसे खास बात यह है कि कोई ट्रेंड कुछ समय के लिए तो पीछे छूट सकता है, लेकिन कभी ना लौट कर वापस जरूर आता है। यही वजह है कि फैशन के पारखी कभी भी किसी स्टाइल को पूरी तरह खारिज नहीं करते हैं। बड़ी-बड़ी हस्तियों से लेकर तमाम सेलिब्रिटीज तक अपनी शादी या अन्य खास अवसरों पर अपनी दादी-नानी या मां की साड़ी और गहने बड़े चाव से पहनती हैं।

सेहत के साथ कमाई भी

ठंड के मौसम में मन में छाने वाली उदासी, जिसे विंटर ब्लूज' कहते हैं,

उससे उबरने में भी ऊन-सिलाई आपकी मदद करेगी। बुनाई से ना सिर्फ खाली समय आसानी से कट जाता है बल्कि बुनाई के नए-नए डिजाइन बनाने से दिमाग भी तेज बना रहता है। इतना ही नहीं, बहुत सी महिलाएं तो इसे पुराने दर्द और अकड़न को ठीक करने में भी बहुत कारगर मानती हैं। पैंसठ वर्षीय संतोष याद करते हुए बताती हैं कि, 'सर्दियां शुरू होते ही महिला पत्रिका लेने की उत्सुकता बढ़ जाती थी क्योंकि उनमें बुनाई विशेषांक आता था। स्वेटर बनाने का उत्साह इतना ज्यादा होता था कि शरीर का कोई दर्द याद ही नहीं रहता था।'

बुनाई के हैं कई फायदे

विभिन्न शोध बताते हैं कि बुनाई करने से बहुत-सी मानसिक समस्याओं में फायदा होता है। ब्रिटिश कोलंबिया यूनिवर्सिटी के एक शोध में ईटिंग डिसऑर्डर से पीड़ित कुछ महिलाओं को प्रतिदिन बुनाई करने की सलाह दी गई। इस शोध में पाया गया कि ऐसा करने से 74 प्रतिशत महिलाओं में चिंता और तनाव के लक्षण कम होने लगे। इसके अलावा भी शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए बुनाई बहुत फायदेमंद है। नियमित बुनाई दिल की धड़कन की गति संतुलित करती है, जिससे उच्च रक्तचाप और तनाव में कमी आती है। 'बुनाई करना मेडिटेशन के समान ही फायदा देता है। 'इससे एकाग्रता बढ़ती है और दिमाग के मोटर स्किल बेहतर होते हैं। 'गठिया के दर्द में यह विशेष रूप से प्रभावशाली है। 'बुनाई अल्जाइमर और डिमेंशिया का खतरा भी कम करती है। 'जब किसी को कुछ बुनकर देती हैं, तो उससे मन को सुकून और खुशी का एहसास होता है।